राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार 06 अक्टूबर 2024 वर्ष–7, अंक–254 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा मेरे स्वागत को उतावली है, लेकिन हम हरियाणा में सभी सीटे जीत रहे हैं: सैलजा

हिसार (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सैलजा ने एक तरफ कांग्रेस की जीत का दावा किया है और दूसरी तरफ उन्होंने यह कहकर सियासत गरमा दी है कि भाजपा उनके स्वागत के लिए उतावली है। अब लोग उसके मायने निकाल रहे हैं। चर्चा ये होने लगी है कि ये दवाब बनाने की राजनीति है कि, कांग्रेस ने सीएम नहीं बनाया तो उनके लिए दूसरे विकल्प भी खुले हैं। हालांकि ये सिर्फ चर्चाएं है जिन पर लगाम नहीं लगाई जा सकती है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा ने शनिवार को हिसार के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। मतदान करने के बाद पोलिंग बूथ के बाहर मीडिया कर्मियों से बातचीत में उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस ?हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस जीती तो हरियाणा में मुख्यमंत्री कौन होगा, कुमारी सैलजा ने कहा कि इसका फैसला आलाकमान करेगा। हरियाणा के पूर्व सीएम और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की ओर से बीजेपी में शामिल होने का ऑफर मिलने पर कुमारी सैलजा ने कहा, बीजेपी मेरा स्वागत इसलिए करना चाहती है, क्योंकि वह हरियाणा में बहुत कमजोर है।

वह मजबूत नेताओं को अपने साथ लाने के लिए कुछ भी करेगी। कुमारी सैलजा से पत्रकारों ने पूछा कि कांग्रेस हरियाणा में कितनी सीटें जीतेगी, तो उन्होंने कहा कि हम सभी 90 सीटें जीतेंगे। उन्होंने 3 अक्टूबर को दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व से मुलाकात की। ऐसी खबरें आईं कि वह हरियाणा में भूपेंद्र हुड्डा गुट द्वारा पार्टी मामलों को जिस तरह संभाला गया, उससे नाराज थीं।कुमारी सैलजा ने कहा कि यह चुनाव हरियाणा की किस्मत बदलने वाला होगा। हालांकि यह एकतरफा मुकाबला है। कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है और जनता की ओर से भी यह संकेत मिल रहा है। एक दिन पहले बातचीत में कुमारी सैलजा ने कहा था, आलाकमान मुख्यमंत्री के लिए कुछ नेताओं के नाम पर विचार कर रहा होगा। मुझे लगता है कि सैलजा भी उनमें से होंगी। निर्णय लेते समय पार्टी नेतृत्व वरिष्ठता और पार्टी के लिए किए गए काम जैसे कारकों को ध्यान में रखेगा।कुमारी सैलजा ने कहा कि पार्टी के प्रति मेरी प्रतिबद्धता कभी सवालों के घेरे में नहीं रही। मुझे विश्वास है कि आलाकमान पार्टी के लिए मेरे काम को कभी नजरअंदाज करेगा। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा हरियाणा में कैम्पेन के दौरान पार्टी के कार्यक्रमों में काफी हद तक अनुपस्थित रहीं और इसके बजाय वह अपने लोकसभा क्षेत्र में सक्रिय देखी गईं।

5600 करोड़ ड्रग्स मामला : वीरेंद्र बसोया के खिलाफ लुकआउट नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली में 5600 करोड़ रुपये के ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ करने के बाद पुलिस ने मामले के मास्टरमाइंड वीरेंद्र बसोया के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया है। बसोया विदेश में बैठकर ड्रग्स का कारोबार चला रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी गैंग का भंडाफोड़ कर 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की खेप पकड़ी थी। जांच के दौरान पता चला है कि कोकीन की खेप बसोया ने भेजी थी। मामले में एक अन्य आरोपी तुषार गोयल को गिरफ्तार किया है, जो बसोया का करीबी बताया जा रहा है। पुणे पुलिस ने 2023 में 3000 करोड़ रुपये की ड्रग्स पकड़ी थी, तब भी बसोया का नाम आया था। लेकिन इस बार बसोया का नाम एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के मुख्य किरदार के रुप में सामने आया है। दिल्ली पुलिस अब उसकी तलाश में जुट गई है, ताकि बसोया को कानून के दायरे में लाया जा सके और इस बड़े नेटवर्क के अन्य सदस्यों का भी पता लगाया जा सके। बता दें कि मामले में तुषार गोयल को पुलिस ने पकड़ा है। तुषार 2022 तक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के आरटीआई सेल का चेयरमैन रहा है। गोयल की कांग्रेस से जुड़ी पृष्ठभूमि और ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े तार ने इस मामले को संवेदनशील बनाते है। स्पेशल सेल की पूछताछ में गोयल ने बताया कि वह कांग्रेस के आरटीआई सेल का प्रमुख था। आरोपी गोयल ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर आरटीआई सेल चेयरमैन, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस लिखा हुआ है। गोयल ने डिग्गी गोयल के नाम से भी एक प्रोफाइल बनाई हुई है। जांच के दौरान, कई कांग्रेस नेताओं के साथ गोयल की फोटो भी सामने आई है।

भायली में नाबालिग लड़की से गैंगरेप, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

वडोदरा । नवरात्रि के पावन पर्व पर वडोदरा से गैंगरेप की घटना सामने आई है। वडोदरा के भायली में अपने दोस्त के साथ बैठी एक नाबालिग लड़की के साथ दो अज्ञात शख्सों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के वक्त आरोपियों का तीसरा साथी ने पीड़ित लड़की के दोस्त को पकड़ रखा था। शिकायत मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा में नाबालिग पीड़िता रात करीब साढ़े ग्यारह बजे अपनी दोस्त से मिली और उसके साथ स्कूटी पर बैठ कर भायली स्थित आशापुरा मंदिर चले गए। रात 12 बजे दो बाइक पर पांच लोग वहां पहुंचे इन दोनों के पास पहुंच गए और पीड़ित लड़की के साथ से अभद्र भाषा में बात की। जब दोनों ने इसका विरोध किया तो एक शख्स ने पीड़िता के दोस्त को पकड़ लिया और दो शख्सों ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया। जबकि अन्य बाइक सवार अन्य दो लोग घटना से पहले ही वहांसे चले गए थे। कुछ देर बाद स्थिति ठीक होने पर पीड़िता ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सबूत जुटाए। पुलिस के मुताबिक पीड़िता गरबा नहीं खेलती थी और ना ही उसने पारंपरिक गरबा ड्रेस भी पहनी थी। सुबह 4 बजे थाने में पीड़िता की काउंसिलिंग की। पीड़िता के मुताबिक वह बचपन के दोस्त से मिलने और बात करने गई थी। दोनों लोग रोड डिवाइडर पर बैठक बात कर रहे थे। तभी दो बाइक सवार पांच लोग उनके पास पहुंचे और अभद्र भाषा में बातचीत करने लगे। आरोपी हिन्दी और गुजराती दोनों भाषा में बात कर रहे थे7 इस घटना में पांच में से दो लोग पहले ही वहां से चले गए थे। फिलहाल इस मामले में फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए वडोदरा ग्रामीण और शहर पुलिस की विभिन्न शाखाओं द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

प्रिंसिपल को आया ईमेल, आज स्कूल उड़ा देंगे, पुलिस जांच में जुटी

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना के एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और जांच शुरु कर दी है। सूत्रों के मुताबिक स्कूल प्रिंसिपल को यह धमकी भरा मैसेज ईमेल के जरिए मिला जिसमें कहा गया था कि उनके स्कूल को पांच अक्टूबर को बम से उड़ा दिया जाएगा। जिस मोबाइल नंबर से ईमेल भेजा गया, वह बिहार का है। पुलिस अधिकारी फिलहाल इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह किसी की शरारत है। वहीं लुधियाना सिटी पुलिस की टीम ने एक 15 साल के नाबालिग को हिरासत में लिया है क्योंकि जिस नंबर से उक्त ईमेल एड्रेस जनरेट हुआ था, उक्त नंबर ऑन था जिसके आधार पर पुलिस ने उक्त नाबालिग को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ के बाद आगे की जानकारी मिल सकेगी।

इंडिगो की बुकिंग सिस्टम में खराबी... यात्री हो रहे परेशान कई की फ्लाइट छूटी

नई दिल्ली। देशभर में एयरलाइन कंपनी इंडिगो की बुकिंग सिस्टम में खराबी आ गई, इसके बाद इंडिगो की उड़ान और ग्राउंड सेवाएं प्रभावित हुई हैं। बताया जा रहा है कि इंडिया में आई तकनीकी खराबी के कारण कई यात्री एयरपोर्ट पर फंसे रहे और अपनी फ्लाइट नहीं पकड़ सके। यही नहीं, कई यात्रियों को बुकिंग करने में भी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। इंडिगो ने अपने एक्स अकाउंट के द्वारा सेवाएं प्रभावित होने की जानकारी दी। इंडिगो ने कहा, हम वर्तमान में अपने नेटवर्क में अस्थायी रूप से सिस्टम स्लोडाउन का सामना कर रहे हैं, इससे हमारी वेबसाइट और बुकिंग सिस्टम प्रभावित हो रहा है। हमारे ग्राहकों को वेटिंग समय में वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें धीमी चेक-इन और हवाई अड्डे पर लंबी कतारें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हमारी एयरपोर्ट टीम हर किसी की सहायता करने और एक सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। आश्वस्त रहें, हम जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। इंडिगो ने कहा, हम इस दौरान यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं आपकी समझदारी और धैर्य के लिए हम आपकी सराहना करते हैं। वहीं, इंडिगो में आई तकनीकी खराब के बाद सोशल मोडिया पर कई यूजर्स ने प्रतिक्रियाएं दी।

कंगना को जस्सी की चेतावनी... सारा काला चिट्ठा खोल दूंगा

मुंबई । अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत अपने विवादित बयानों के चलते हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। अब पंजाबी सिंगर जसबीर जस्सी ने कंगना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है, जिन्होंने उन्हें पंजाब के बारे में नकारात्मक टिप्पणियां करने से रोकने के लिए चेतावनी दी है। जस्सी, जो दिल ले गई कुड़ी और लौंग दा लश्कारा जैसे हिट गानों के लिए मशहूर हैं, ने कंगना को खुली धमकी देकर कहा कि यदि वे पंजाब के बारे में बुरा बोलना जारी रखेंगी, तब वह उन्हें बेनकाब कर दूंगा। जस्सी ने कहा, कंगना को यह समझना होगा कि पंजाब को निशाना बनाना बंद करें। इसके पहले कि बहुत देर हो जाए, उन्हें ऐसा करना बंद करना चाहिए। मैं यह कहने के लिए मजबूर हूं क्योंकि वह लगातार पंजाब को टारगेट कर रही हैं। उन्होंने कंगना से जुड़ी एक घटना का जिक्र कर बताया कि एक बार वे दिल्ली में उनकी कार में उनके और एक महिला मित्र के साथ शराब पी रही थीं और उनका खुद पर कोई नियंत्रण नहीं था। जस्सी ने कहा, कंगना ने जितनी शराब और ड्रग्स का सेवन किया है, मुझे नहीं लगता कि किसी और ने किया होगा। अगर वे पंजाब के बारे में बातें करना नहीं छोड़तीं, तब मैं उनकी सभी कहानियों को सबके सामने खोल कर रख दूंगा। कंगना ने एक रैली के दौरान टिप्पणी की थी कि पड़ोसी राज्य पंजाब में नशे की लत है और वहां के युवा शराब के आदी हैं। उन्होंने हिमाचल के युवाओं से कहा कि वे पंजाब के लोगों से प्रभावित न हों। जसबीर का यह बयान कंगना के खिलाफ उनके निरंतर निशाने पर रहने का संकेत देता है। उनकी ये विवादित टिप्पणियां न केवल कंगना के लिए बल्कि पंजाब के लिए भी एक गंभीर विषय बन चुकी हैं।

जाकिर नाइक के पाकिस्तान में भव्य स्वागत से भड़के भारत ने की निंदा

शिमला (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक के पाकिस्तान में किए गए हालिया भव्य स्वागत की भारत ने निंदा करते हुए कहा है कि मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली है कि जाकिर नाइक ने पाकिस्तान की यात्रा की है। जहां पाक ने गले लगाकर उसका गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे हमें कोई आश्चर्य नहीं हुआ है कि जाकिर नाइक का पाकिस्तान में भव्य स्वागत किया गया है। यह निराशाजनक होने के साथ ही निंदनीय भी है। भारत के कानून के हिसाब से नाइक उसका एक भगोड़ा अपराधी है। वह किस पासपोर्ट या कागजों के आधार पर पाकिस्तान पहुंचा। उसके बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मलेशिया के प्रधानमंत्री के भारत दौरे के वक्त इस मामले पर चर्चा की गई थी।

खाड़ी से भारतीयों की वापसी संभव

जायसवाल ने मौजूदा तनाव के बीच इजरायल, ईरान सहित खाड़ी के अन्य देशों से भारतीयों की वापसी को लेकर कहा कि इसे लेकर भारतीय विमान उड़ान भर रहे हैं। जो लोग स्वदेश वापस लौटना चाहते हैं। इनका इस्तेमाल कर वापसी कर सकते हैं। फिलहाल सरकार की तरफ से भारतीयों को देश वापस लाने के संबंध में कोई आधिकारिक अभियान नहीं चलाया जा रहा है। इजरायल, ईरान और लेबनान में भारतीयों की कुल संख्या 43 हजार है। इनमें इजरायल में सबसे ज्यादा 30 हजार भारतीय नागरिक रहते हैं। ईरान में 10 हजार और लेबनान में 3 हजार भारतीय रह रहे हैं। लेबनान में ज्यादातर भारतीय उत्तरी बेरूत में हैं। यह इलाका युद्धक्षेत्र से दूरी पर है, यूएन शांति सेना का हिस्सा भारतीय भी यहीं पर रह रहे हैं। ईरान में रह रहे 10 हजार लोगों में से 5 हजार छात्र हैं जो मेडिकल की शिक्षा ले रहे हैं। बाकी लोग समुद्री आवाजाही से जुड़े हुए हैं। इजरायल में 30 हजार लोगों में ज्यादातर देखभाल से जुड़े हुए हैं और बाकी वर्कर हैं। कुछ लोगों ने भारतीय दूतावास से संपर्क किया है। अगर ये लोग इजरायल छोड़ना चाहते हैं तो उनके लिए उड़ानें उपलब्ध हैं।

नीतीश कुमार प्रख्यात समाजवादी और बिहार के विकास पुरुष के लगे पोस्टर

–भारत रत्न देने की मांग, विपक्ष बोला– मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास

पटना (एजेंसी)। बिहार सीएम नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश महासचिव छोटू सिंह द्वारा लगाए पोस्टरों में नीतीश को प्रख्यात समाजवादी और बिहार के विकास पुरुष के रूप में दिखाया गया है, जिसमें उन्हें भारत रत्न देने की मांग की गई है। इस पोस्टर में नीतीश को चाणक्य बताया गया है, जो उनकी राजनीतिक चतुराई और बिहार में विकास कार्यों का प्रतीक है।

इस मांग के बाद विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने कहा कि नीतीश कुमार को बिहार में गिरे पुल और बढ़ते अपराध के लिए सम्मानित किया जाना चाहिए। राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि जदयू की यह मांग केवल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए है। उन्होंने बिहार में बढ़ते अपराध, पुलों के गिरने और स्मार्ट मीटर की लूट जैसी समस्याओं पर ध्यान दिलाते हुए नीतीश की आलोचना की है। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन ने कहा कि यदि किसी बिहारी को भारत रत्न मिलता है, तो यह गौरव की बात है, लेकिन इसे मांगने की बजाय सरकार को खुद इसे देना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे पर राजनीति न करने की सलाह दी और कहा कि ऐसी मांगें मुख्यमंत्री पर ही सवाल खड़े करती हैं। जदयू की राज्य कार्यकारिणी की बैठक 5 अक्टूबर को पटना में आयोजित की गई है, की अध्यक्षता सीएम नीतीश कुमार करेंगे। इस बैठक के पहले यह पोस्टर लगाए जाने से राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग मामले में 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर एनआईए ने की छापेमारी, 4 को हिरासत में लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के मामले में नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (एनआईए) ने 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर छापेमारी की है। महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में हुई कार्रवाई के दौरान एजेंसी ने 4 लोगों को हिरासत में लिया है, उनसे इस सबंध में पूछता की जा रही है। एनआईए को संदेह है कि इन लोगों का संबंध आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से हो सकता है। मालेगांव के एक होम्योपैथी क्लिनिक से 4 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के संदेह पर पूछताछ की जा रही है। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में इकबाल भट नाम के व्यक्ति के यहां छापेमारी की गई है, जो टेरर फंडिंग के आरोपों का सामना कर रहा है। इसके अलावा, कश्मीर के अन्य स्थानों पर भी एनआईए की कार्रवाई जारी है। इससे पहले, 1 अक्टूबर को एनआईए ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में छापेमारी की थी। इन छापों में एनआईए ने दक्षिण 24 परगना, आसनसोल, हावड़ा, नदिया और कोलकाता में 11 जगहों पर संदिग्धों के घरों की तलाशी ली थी। ये संदिग्ध भाकपा (माओवादी) के सदस्य बताए जा रहे थे, जो नक्सली गतिविधियों को अंजाम देने में संगठन के कमांडरों की मदद कर रहे थे। तलाशी के दौरान कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए गए थे। उत्तरी कश्मीर के बारामूला के संगरी कॉलोनी में स्थित एक घर पर एनआईए ने छापेमारी की। यह कार्रवाई जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन समूह की गतिविधियों से जुड़े मामले में की जा रही है। बता दें कि एनआईए ने इससे पहले भी कई आतंकी मामलों में कार्रवाई की है। एनआईए की यह कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है।

साईं बाबा मूर्ति मामला: कैसे होगा समस्या का समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाराणसी में साईं बाबा की मूर्तियों को करीब 14 मंदिरों से हटाए जाने के बाद एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया, जिसके बाद इस मामले को लेकर लगातार बयान आ रहे हैं। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने तो तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सवाल पूछा है कि जिन लोगों ने 4 से 10 साल पहले साईं बाबा की मूर्तियाँ स्थापित की थीं, क्या उन्हें यह नहीं पता था कि उनकी आस्था कभी अनास्था में बदल सकती है, जिससे मूर्तियाँ हटाई जा सकती हैं। इसके बाद लगातार बयान आ रहे हैं, जिन्हें लेकर बुद्धिजीवियों ने सवाल किया है, क्या इस तरह से समस्या का समाधान हो सकता है या मामले को राजनीतिक रंग देने के लिए यह सब किया जा रहा है? कुछ ने तो इसे आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखना शुरु कर दिया है।

साईं बाबा मूर्ति मामले को लेकर जहां पक्ष और विपक्ष वाले बयान सोशल मीडिया से लेकर खबरों तक में आ गए हैं तो वहीं कहा जा रहा है कि क्या यह सब महाराष्ट्र के आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है और यह किसी प्रकार का षड्यंत्र तो नहीं है। इस मामले में माता विशालाक्षी देवी मंदिर के महंत राजनाथ तिवारी ने कहा है कि हमारे सनातन धर्म या किसी भी पौराणिक ग्रंथ में साईं बाबा का उल्लेख ही नहीं है। उनमा मानना है कि साईं बाबा एक फकीर हो सकते हैं, लेकिन उन्हें भगवान का दर्जा तो नहीं दिया जा सकता है। इसी के साथ महंत तिवारी ने उस व्यक्ति का समर्थन कर दिया जो कि मंदिरों से साईं बाबा की मूर्तियों को हटाने की पहल कर रहा है। उन्होंने कहा है कि अजय शर्मा जो साईं बाबा की मूर्तियों को देवालयों से हटाने का काम कर रहे हैं, वे सही काम कर रहे हैं। उनके अनुसार, साईं बाबा की मूर्तियां देवालयों में होना ही नहीं चाहिए। वहीं मंगला गौरी मंदिर के पुजारी नरेंद्र कुमार पांडेय ने भी कुछ इसी तरह का बयान दिया है। उनका कहना है कि काशी खंड में कई सनातन और परंपरागत मंदिर हैं, जहां भगवान शंकर स्वयं प्रकट हुए। साईं बाबा भगवान नहीं हैं और हमारे यहां पंचदेव पूजन का विधान है, जिसमें विभिन्न देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा होती है। सवाल करते हुए पांडेय कहते हैं कि साईं बाबा के मंदिर में किस प्रकार से प्राण प्रतिष्ठा हुई, जिससे उनकी पूजा हमारे मंदिरों में हो रही है। इसके साथ ही मंदिरों के महंतों से उन्होंने आग्रह किया कि वे साईं बाबा की मूर्तियों को वहां से हटा दें। इन बयानों के बाद सवाल उठाया जा रहा है कि आखिर

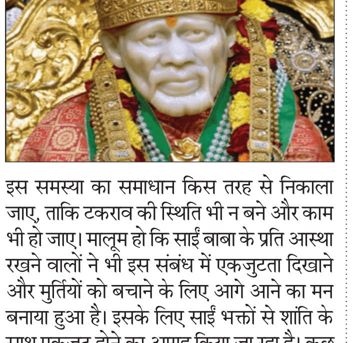

इस समस्या का समाधान किस तरह से निकाला जाए, ताकि टकराव की स्थिति भी न बने और काम भी हो जाए। मालूम हो कि साईं बाबा के प्रति आस्था रखने वालों ने भी इस संबंध में एकजुटता दिखाने और मुर्तियों को बचाने के लिए आगे आने का मन बनाया हुआ है। इसके लिए साईं भक्तों से शांति के साथ एकजुट होने का आग्रह किया जा रहा है। कुछ बुद्धिजीवियों ने इस पर बीच का रास्ता निकालने की सलाह दी है और शांति के साथ समस्या का समाधान खोजने की बात कही है। इनका मानना है कि मामला बढ़ने पर यह सिर्फ वाराणसी या उत्तर प्रदेश से ही जुड़ा नहीं रहेगा बल्कि इसका असर देश के विभिन्न राज्यों तक पहुंचेगा, जिसकी चिंता की जानी चाहिए।

दुनिया को युद्ध की ओर ले जाती सैन्य तैनाती

–मिडिल ईस्ट में बढ़े तनाव को कम नहीं करेगा अमेरिका और ब्रिटेन का यह कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमास ने इजरायल पर हमला करके जिस युद्ध का आगाज किया था अब वह विश्व स्तर का होने जा रहा है। यह आशंका इसलिए जताई जा रही है क्योंकि एक तरफ अमेरिका ने 43 हजार सैनिक तैनात करने का फैसला ले लिया है तो वहीं ब्रिटेन भी सेना बढ़ाने को लेकर स्पष्ट कह चुका है। वहीं ईरान ने इजरायल को चुनौती देते हुए किसी भी कार्रवाई का जवाब देने की बात कह कर विश्व को इस युद्ध के लिए तैयार रहने जैसी बात कह दी है।

इस समय इजरायल-ईरान के बीच का तनाव चरम पर है, इससे मिडिल-ईस्?ट की स्थिति तेजी से बदल रही है। दुनिया के तमाम देशों की नजर इस बदलते रुख पर टिकी हुई हैं। अमेरिका ने 43 हजार सैनिक तैनात करने का फैसला किया है तो ब्रिटेन भी अपनी सेना बढ़ाने की बात कह रहा है।

कुल मिलाकर इन देशों ने सेना तैनाती और बल बढ़ाने की बात कह कर कोई शांति लाने जैसा उपक्रम नहीं किया है। दोनो ही देश आग में घी डाल रहे हैं, जिससे विश्व युद्ध की आधारशिला रखी जा सकेगी।

शांति सेना के साथ भारत

वहीं दूसरी तरफ भारत अपनी शांति सेना के साथ विश्व में शांति का संदेश देता नजर आया है, लेकिन यह कब तक कहा नहीं जा सकता है। भारत के संबंध चूंकि इजरायल और ईरान दोनों से ही बेहतर रहे हैं, ऐसे में किए एक पक्ष के साथ खड़े होने की बजाय शांति स्थापित करना बेहतर हल हो सकता है। यही वजह है कि मिडिल-ईस्ट में भारतीय सेना एकाएक तैनाती पर सभी आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं। भारतीय नेवी ने इस समय अपने तीन जहाज ईरान पोर्ट पर खड़े कर रखे हैं। दरअसल फारस की खाड़ी में ट्रेनिंग मिशन के तहत भारतीय नौसैनिक जहाज- आईएनएस शार्दुल, आईएनएस तीर और आईसीजीएस वीरा मंगलवार को ईरान के बंदरगाह अब्बास पहुंचे थे। भारत के इन नेवी शिप का स्वागत ईरानी नौसेना के जहाज़ ज़ेरेह ने किया। यह कदम भारत और ईरान के बीच बढ़ते नौसैनिक सहयोग को दर्शाता है, इससे जंग का कोई सरोकार नहीं है।

पीएम मोदी का मंदिर बनवाया पूजा की- जब उपेक्षा और अनदेखी का फल मिला तो भाजपा छोड़ दी

पुणे (एजेंसी)। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अटूट आस्था थी। जिसके चलते पीएम मोदी का मंदिर बनवाया और दोनों टाइम पूजा की। तीन साल तक पूजा के बाद अब फल के तौर पर मयूर मुंडे को उपेक्षा और अनदेखी मिली है। इससे वे नाराज हो गए और भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। मुंडे ने कहा कि मैं पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं पीएम मोदी का कट्टर समर्थक हूं और उनके लिए काम करता हूं। मगर, पार्टी में हमारे जैसे लोगों के लिए कोई जगह नहीं बची है। इसलिए मैंने यह फैसला लिया है।बता दें कि मयूर मुंडे ने साल 2021 में मोदी मंदिर का निर्माण करवाया, जो काफी सुर्खियों में रहा था।

मयूर मुंडे ने कहा, मैंने कई बरसों से वफादार पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम किया है। मैं विभिन्न पदों पर रहा और ईमानदारी से पार्टी के लिए काम किया। मुंडे ने बताया कि भाजपा वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर रही है और अन्य राजनीतिक दलों से शामिल होने वालों को महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक अपना समर्थन आधार बढ़ाने में लगे हुए हैं और इसके लिए पदाधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है। दूसरे दलों से आने वालों को पार्टी के विभिन्न पद दिए जा रहे हैं। मुंडे ने कहा कि पुराने पदाधिकारियों का अपमान हो रहा है। अब उन्हें पार्टी की बैठकों में भी नहीं बुलाया जाता है। उनकी राय तक नहीं सुनी जा रही और उन्हें चुनाव प्रक्रिया से दूर कर दिया गया है। दरअसल, महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की पुणे यूनिट के भीतर मतभेद दिख रहे हैं। कोथरुड और खडकवासला के मौजूदा विधायकों पर उम्मीदवार चयन प्रक्रिया में दखल देने की कोशिश का आरोप लगा है। ऐसा कहा जा रहा है कि शिवाजीनगर से विधायक सिद्धार्थ शिरोले वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर रहे हैं। इसे लेकर श्री नमो फाउंडेशन के मयूर मुंडे ने शिरोले के खिलाफ कड़ी नाराजगी जताई और अपने आरोपों को सार्वजनिक कर दिया।भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद मुंडे ने कहा, मौजूदा विधायक उन लोगों के इलाकों में विकास निधि खर्च कर रहे हैं जो दूसरी पार्टियों से बीजेपी में शामिल हुए हैं। वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं के क्षेत्र के लिए कुछ नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा विधायक को बीते 5 साल में शिवाजीनगर विधानसभा क्षेत्र में किसी भी 2 प्रमुख परियोजनाओं को लागू करने के लिए धन मिला। उन्होंने इसके लिए कोई प्रयास भी नहीं किया। ऐसे में इस निर्वाचन क्षेत्र का विकास थम गया है।

विनाश का कारण बन सकती है उन्नत तकनीक....

पेजर धमाके बताते हैं कि ऐसे किसी भी उपकरण को बम में तब्दील करना संभव है। अधिसंख्य लोग मोबाइल से निकलने वाले घातक रेडिएशन के खतरे से अपरिचित होंगे। विभिन्न देशों में इस रेडिएशन लिए अलग-अलग सीमाएं तय हैं। क्या तकनीक के बल पर इस रेडिएशन को जानलेवा घातक स्तर तक बढ़ाया जा सकता है ? अगर हां तो यह खतरे की एक और घंटी है।

(लेखक- चैतन्य भट्ट/)

लेबनान में हजारों पेजरों और उसके बाद वाकी टाकी रेडियो , लैपटॉप और और सोलर उपकरणों में में एक साथ हुए धमाकों ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इन धमाकों में 30 से ज्यादा मौतें हुईं और 3000 से ज्यादा लोग गंभीर रुप से घायल हैं। इसे आतंकी संगठन हिजबुल्ला के खिलाफ इजरायली सुरक्षा एजेंसी मोसाद का आपरेशन माना जा रहा है। तकनीक पर निर्भर व्यवस्थाएं चिंतित हैं। अगर यह संभव है तो जाने और कितना कुछ भी संभव होगा जिसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है।

नई तकनीकों के समंदर में गोते लगा रही युवा पीढ़ी तो शायद जानती भी न हो कि पेजर है क्या ? 80 के दशक में आया यह संचार माध्यम मोबाइल के आने से जल्द विदा हो गया। भारत में तो इसके आगमन प्रस्थान की भनक भी नहीं लगी। जीपीएस मोबाइल की तुलना में पेजर की बेहद बेसिक तकनीक इसकी ट्रैकिंग मुश्किल बनाती है। संभवतः इसीलिए इजरायली एजेंसियों द्वारा ट्रेस किए जाने से बचने के हिजबुल्ला ने इस पुरानी तकनीक पर निर्भर होना ठीक समझा। बहरहाल यह आश्वस्ति झूठी ही साबित हुई है।

धमाकों के पीछे पहली थ्योरी यह है कि इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल की फ्रीक्वेंसी हैकिंग से पेजर में लगी लिथियम बैटरी का टैंपरेचर बढ़ाकर ये धमाके किए गए। दूसरी थ्योरी के अनुसार हिजबुल्ला ने यह पेजर ताईवानी कंपनी गोल्ड अपोलो से खरीदे थे जिनकी बैटरी के साथ मोसाद ने विस्फोटक प्लांट कर दिए। एक संदेश ने विस्फोटक एक्टिवेट किया और हजारों पेजर एक साथ फट गए। हिजबुल्ला इस त्रासदी से उबर भी नहीं पाया था कि सैकड़ों वाकी-टाकी उपकरणों, लैपटॉप और यहां तक कि सोलर उपकरणों में भी ऐसे ही धमाके हुए। ताजातरीन खबरें तो यह हैं कि एक बेहद खुफिया और सोचे समझे तरीके से इजराइल ने एक फर्जी कंपनी के माध्यम से यह पेजर खुद बनाकर गोल्ड अपोलो कंपनी को सप्लाई किए जो अंततः हिजबुल्ला के सदस्यों तक पहुंचे। हमास के सुप्रीम कमांडर इस्माइल हानियां की इजरायल के दुश्मन नंबर एक ईरान की राजधानी तेहरान में हुई हत्या भी तकनीक के दम पर ही संभव हुई थी।

इस घटना से उपजी चिंताएं भयावह हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) तकनीक ने साईबर पहुंच को उपयोग की लगभग हर वस्तु तक पहुंचा दिया है। इस तकनीक से बिजली, मोटर वाहन, सुरक्षा और निगरानी, स्वास्थ्य प्रबंधन, कृषि, स्मार्ट होम और स्मार्ट सिटी जैसे बुनियादी ढाँचे को उन्नत किया जा रहा है। उपभोक्ता भी चाहता है कि दैनिक उपयोग की हर वस्तु हर वक्त उसकी पहुंच हो। कंपनियां इस कमजोरी का फायदा उठाकर हर उपभोक्ता उपकरण में यह तकनीक अपना रही हैं। कंपनियों को छुपा फायदा यह भी है कि उन्हें मार्केटिंग के लिए महत्वपूर्ण डाटा फ्री मिल रहा है जिसका उपयोग वे न सिर्फ खुद करती हैं बल्कि उसे बेचकर पैसा भी कमाती हैं। अनुमान है कि 2025 तक वैश्विक स्तर पर लगभग 11.4 बिलियन उपभोक्ता और 13.3 बिलियन इंटरप्राइजेज़ आई.ओ.टी. डिवाइस से युक्त होंगे और साईबर हमलों की पहुंच में होंगे। इनमें मोबाइल, कार , स्मार्ट वॉच, हैल्थ मानीटर, फ्रिज, टीवी , एयर कंडीशनर समेत पेसमेकर जैसे बैटरी से चलने और शरीर के अंदर लगाए जाने वाले मेडिकल उपकरण भी शामिल हैं। पेजर धमाके बताते हैं कि ऐसे किसी भी उपकरण को बम में तब्दील करना संभव है। अधिसंख्य लोग मोबाईल से निकलने वाले घातक रेडिएशन के खतरे से अपरिचित होंगे। विभिन्न देशों में इस रेडिएशन लिए अलग-अलग सीमाएं तय हैं। क्या तकनीक के बल पर इस रेडिएशन को जानलेवा

घातक स्तर तक बढ़ाया जा सकता है ? अगर हां तो यह खतरे की एक और घंटी है।

यूक्रेन युद्ध का प्रारंभिक अनुमान था कि ताकत के दम पर रूस इसे कुछ ही दिनों में खत्म कर देगा। सारे अनुमान गलत साबित हुए और लगभग दो साल का लंबा समय बीतने के बावजूद यह अब भी जारी है। पश्चिमी देशों द्वारा दिए गए उन्नत तकनीकी उपकरणों के दम पर यूक्रेन न सिर्फ युद्ध में बना हुआ है बल्कि उसने रुस जैसे ताकतवर देश को गहरा नुकसान भी पहुंचाया है। इजरायल की हमास तथा हिजबुल्ला जैसे आतंकवादी संगठनों के साथ चलने वाली लंबी लड़ाई भी तकनीक के प्रयोग से निर्णायक स्थिति में पहुंचती दिख रही है। जाहिर है, भविष्य के युद्ध सेनाओं और हथियारों नहीं बल्कि वातानुकूलित कक्षों में तकनीक के दम पर लड़े जाएंगे। साईबर हमलों की ऐसी श्रंखला युद्धों और आतंकवादी गतिविधियों तक ही सीमित नहीं रहेगी। ऐसे एक हमले से किसी भी देश की पूरी आर्थिक और जनोपयोगी व्यवस्था छिन्न-भिन्न कर उसे पंगु बनाया जा सकता है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी न सिर्फ व्यक्तिगत बल्कि वैश्विक सुरक्षा की भी सबसे महत्वपूर्ण आधुनिक चुनौतियों में से एक है। राज्य विशेष या आतंकवादी समूह के हाथ में पहुंचकर ऐसी तकनीक कितनी विध्वंसक हो सकती है, सोच कर ही सिहरन होती है। बुनियादी ढांचे या सैन्य रसद नेटवर्क को नष्ट करने के लिए किया गया साईबर हमला कभी भी अंतरराष्ट्रीय संकट साबित हो सकता है। परमाणु अप्रसार संधि की तर्ज पर ऐसी अंतरराष्ट्रीय सहमति जरूरी है जो इसका नियमन करे। प्रयास हो तो रहे हैं मगर प्रगति धीमी है।

अगर लेबनान में हुए धमाकों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस विषय पर और शीघ्रता से सोचने पर मजबूर किया तो यह त्रासदी से सबक सीखने की अच्छी बानगी होगी।

संपादकीय

आरक्षण की सियासत

अपने देश में आरक्षण पर ऐसी दुखद सियासत होने लगी है, जिसका तथ्य और तर्क से कोई लेना-देना नहीं है। मुंबई में राज्य सचिवालय में शुक्रवार को उस समय अजीब दृश्य सामने आया, जब विधानसभा के उप-सभापति नरहरि झिरवाल और तीन अन्य विधायक तीसरी मंजिल से कूद गए। यह तो भला हो कि नीचे पहले से ही जाल लगाकर सुरक्षा इंतजाम किया गया था। सुरक्षा इंतजाम न होता, तो आत्महत्या की यह कोशिश भारतीय विधायिका पर एक स्याह धब्बा लगा जाती। अगर एक विधायक को अपनी मांग मनवाने के लिए आत्महत्या करने की नौबत आ जाए, तो फिर विधायिका की समग्र व्यवस्था की मजबूती के बारे में क्या कहा जाए? हालांकि, यह सियासत है और विधायक कूदे, क्योंकि उन्हें पता था कि नीचे जाल है। वास्तव में, आत्महत्या की कोशिश का यह दिखावा कोरी सियासत है, उसके अलावा कुछ नहीं। विधायकों के इस कृत्य की सिर्फ निंदा हो सकती है। यह विधायिका को भी शर्मसार करने वाला पल है और इस पर सभी दलों को गंभीरता से विचार करना चाहिए कि आखिर वे देश के सामने कैसी जानलेवा सियासत पेश कर रहे हैं? आत्महत्या का बहाना तो और भी दुखद है। यह सियासी कोशिश वास्तव में आरक्षण मांगने के लिए नहीं है, बल्कि एक जाति विशेष को मिलने जा रहे आरक्षण के विरोध में है। धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने की मांग का विरोध विचारणीय हो सकता है, पर उसके लिए ठोस तर्क या विमर्श की जरूरत है। इन विधायकों को जब लगा कि उनका विरोध काम नहीं कर रहा है और धनगर समुदाय को एसटी में शामिल कर लिया जाएगा, तब उन्होंने कूदने का दुस्साहस दिखाया। अब यह सोचने की बात है कि धनगर समुदाय के नेताओं और लोगों को कैसा लग रहा होगा? झिरवाल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजीत पवार गुट के सदस्य हैं। वास्तव में, यह पूरी पार्टी इन दिनों बहुत बेचैन है। सियासी लाभ और चुनाव जीतने के लिए इसके नेता हरसंभव दांव आजमा रहे हैं। उनका यह नया दांव पता नहीं कितना कारगर होगा, पर इससे सत्ता पक्ष और एकनाथ शिंदे की सरकार की किरकिरी तो हो ही रही है। सरकार में भाजपा भी शामिल है और कूदने वालों में एक भाजपा विधायक भी शामिल बताए जाते हैं। वास्तव में, यह सत्ताधारी विधायकों की बेचैनी है। उन्हें इसी महीने चुनावी मैदान में जाना है। जहां आरक्षण मांगने वालों और आरक्षण का विरोध करने वालों, दोनों के भाग्य का फैसला होगा। वैसे सियासत से अलग आरक्षण का सवाल वाकई अपने देश में बहुत गंभीर होता जा रहा है। ऐसा पहली बार नहीं है, जब किसी को आरक्षण देने या किसी खास श्रेणी में आरक्षण देने का विरोध हो रहा है। राजस्थान में जब गुर्जरों ने अनुसूचित जनजाति में आने के लिए साल 2007 में रेल रोको आंदोलन किया था, तब भी एक दबंग अनुसूचित जनजाति के नेताओं ने विरोध किया था। उस त्रासद आंदोलन में 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे, नतीजा क्या हुआ, आज भी गुर्जरों को कमोबेश ओबीसी वाला ही लाभ मिल रहा है। गुर्जरों के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले किरोड़ी सिंह बैंसला का निधन हो चुका है, पर गुर्जरों की मांग अभी भी जिंदा है। ऐसी अनेक जातियां हैं, जो अपने आरक्षण में बदलाव चाहती हैं, तो क्या तमाम पार्टियां मिलकर आरक्षण के मसले को हमेशा के लिए सुलझाएंगी?

पूजा के समय .मांस का ऑनलाइन प्रचार है गलत

(लेखक-संजय गोस्वामी)

अभी नवरात्र चल रहा लेकिन आजकल कुछ भी गूगल में सर्च कीजिये तो कभी ना कभी आपको गलत प्रचार जो लिशियस के मांस उत्पाद, गोदरेज चिकेन हलाल आदि मांस का प्रचार देखने को मिल जाता है इसमें अन्य कंपनियों द्वारा पता नहीं कहाँ से आ जाता है आमोज़ोंने यूपीआई से पे करें तो स्क्रैच कार्ड में मिल जाता है यह मांसहार का प्रचार नहीं तो और क्या है,यहाँ तक कि नेशनल एग कोऑर्डिनेसन कमिटी द्वारा महान क्रिकेटर श्री कपिल देव व राहुल द्रविड़ द्वारा अंडे पर प्रचार फिर से टीवी पर आने लगा कि सन्डे हो या मंडे रोज खाएं अंडे जिसकी मैं कड़ी निंदा करता हूँ और इसपर प्रचार नहीं हो सकता है क्योंकि ऐ नॉनवेज की श्रेणी मे है ऐसे चिकेन मटन का ऑनलाइन सेल का खूब प्रचार इंटरनेट पर आता है जो गलत है ऐ भगवान बुद्ध व महावीर की धरती है ऐसा नहीं होना चाहिए अंडा है क्या इसके बारे मे जानिए

वेज अंडा नॉन वेज है ऐ मुर्गी के पेट मे पल रहा चूजा है विज्ञान पर ध्यान दे भारत के महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने ऐ सिद्ध कर दिया था कि पेड़ पौधा भी सजीव है अतः उसके फल पत्ती को खाया जा सकता है लेकिन तोड़ने की गलती मत कीजियेगा क्योंकि वो पर्यावरण की रक्षा करता है बढ़ते औद्योगिकरण व जनसंख्या वृद्धि के कारण ही असमय पृथ्वी का तापमान अचानक बढ़ गया है पेड़ इसे शील्ड करते हैं अतः पेड़ सजीव है लेकिन शाकाहारी मे आता है यदि ऐसा ना हो तो आदमी क्या खाएगा अतः फल, सब्जी,पत्ती दूध दही आदि सभी शाकाहार मे आते हैं किन्तु अंडा बिल्कुल नहीं क्योंकि ऐ मुर्गी का भ्रूण है और कई मुर्गीपालन के जरिये करते है लेकिन ऐ मांसहार की श्रेणी मे आता है क्योंकि केक मे अंडा के केक का कलर कोड ग्रीन नहीं होता है भ्रूण हत्या पाप है जो इसको नहीं मानते हैं ना माने लेकिन विज्ञान पर तो दुनिया विश्वास करती है एक हालिया अध्ययन के अनुसार दुनिया भर के लोगों ने वैज्ञानिकों पर भरोसा व्यक्त किया है, लेकिन वे अनुसंधान में सरकारों के हस्तक्षेप को लेकर चिंतित भी हैं। यह निष्कर्ष वैश्विक संचार संस्थान एडेलमैन द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट ट्रस्ट बैरोमीटर का है जिसके लिए मेक्सिको से लेकर जापान तक 29 देशों के 35,500 से अधिक लोगों का सर्वेक्षण किया गया था।सर्वेक्षण के 75प्रतिशत उत्तरदाताओं ने नवाचारों और नई प्रौद्योगिकियों सम्बंधित सही जानकारी प्रदान करने के लिए वैज्ञानिकों पर विश्वास जताया है। इतने ही प्रतिशत लोगों ने चाहा है कि वैज्ञानिक इन नवाचारों को पेश करने में स्वयं आगे आएं। इसके विपरीत, सही जानकारी देने के संदर्भ में लोगों ने पत्रकारों और सरकारी नेताओं पर क्रमशः 48प्रतिशत और 45.5 प्रतिशत ही भरोसा जताया है।हालांकि, अध्ययन में 53 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने देश में विज्ञान के राजनीतिकरण की बात कही है, जो राजनेताओं के हस्तक्षेप की ओर इशारा करता है। विश्व स्तर पर 59 प्रतिशत का मानना है कि सरकारें और अनुसंधान वित्तपोषक एजेंसियां वैज्ञानिक प्रयासों पर अत्यधिक प्रभाव डालते हैं। ये आंकड़े भारत में 70 प्रतिशत और चीन में 75 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 60 प्रतिशत लोगों का मानना है कि सरकारों में उभरते नवाचारों के नियमन की क्षमता का अभाव है। यह भरोसा वैज्ञानिकों के लिए एक अवसर के साथ चुनौती भी है। इस विश्वास के दम पर वैज्ञानिक प्रयास कर सकते हैं कि सरकारी नीतियां प्रमाण-आधारित बनें। इसके साथ ही वे सरकारी हस्तक्षेप और नियामक शक्तियों पर लोगों के अविश्वास सम्बंधी चिंताओं को भी संबोधित कर सकते हैं। सवाल यह उठता है कि सार्वजनिक हितों को ध्यान में रखते हुए, नीतियों की दिशा सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक सरकारों के साथ कैसे सहयोग कर सकते हैं?कई विशेषज्ञ इस रिपोर्ट को काफी महत्वपूर्ण बताते हैं जो कोविड-19 महामारी और कृत्रिम बुद्धि के उदय जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए विज्ञान और नवाचार पर वैश्विक फोकस के साथ मेल खाती है। हालिया समय में दुनिया भर की सरकारें क्लस्टरिंग विश्वविद्यालयों से लेकर उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने और नवीन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान करने की विभिन्न रणनीतियों की तलाश कर रही हैं। एक हालिया प्रस्ताव में चिकित्सा विज्ञान में एआई की बड़ी भूमिका की वकालत की गई है लेकिन नियामक सुधारों को भी आवश्यक बताया है। गौरतलब है कि इस पूरे मामले में सामाजिक विज्ञान एक ऐसे उपकरण के रूप में उभरा है जिसका उपयोग नहीं किया गया है। यूके एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज़ की एक रिपोर्ट में डैटा वैज्ञानिकों, अर्थशास्त्रियों, नैतिकताविदों, कानूनी विद्वानों और समाजशास्त्रियों की विशेषज्ञता की चर्चा करते हुए नीति निर्माण में सामाजिक विज्ञान को जोड़ने पर ज़ोर दिया गया है। इन क्षेत्रों के पेशेवर लोग नई प्रौद्योगिकियों, आर्थिक मॉडलों और नियामक ढांचे की ताकत और सीमाओं का आकलन कर सकते हैं और उनमें निहित अनिश्चितताओं को भी संबोधित कर सकते हैं।यदि लोगों को लगता है कि विज्ञान का राजनीतिकरण हो चुका है और सरकारें बहुत अधिक हस्तक्षेप कर रही हैं, तो यह सिर्फ विज्ञान के लिए नहीं बल्कि समाज के लिए भी समस्या है क्योंकि इससे लोगों के इस विश्वास में कमी आ सकती है कि सरकारें इन नवाचारों के लाभ उन तक पहुंचाएंगी और संभावित नुकसानों से बचाएंगी। ऐसे में वैज्ञानिकों को नवाचार के बारे में विश्वसनीय स्रोत बनने के अवसर का लाभ उठाना चाहिएअतः जिसे जो खाना है खाये उसमें मनाही नहीं है लेकिन गलत चीज का प्रचार भी ना करें नहीं तो रामदेव बाबा के प्रचार जैसा हाल हो जायेगा सही चीज बताने मे क्या हर्ज है मशरूम भी शाकाहारी नहीं है एक प्रकार का फंगस है जो एक मांस का ही अंश है लेकिन लोगों को खिलाने हेतु बाजार मे लाने मे मुनाफा के कारण नहीं बताया जाता जो गलत है क्योंकि खान पान का असर आपके खून में होता और विचार गलत हो जाता है जिससे अपराध बढ़ते हैं।

(चिंतन-मनन)

क्या है शुद्ध अहिंसा !

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते। बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते। मैं किसी को बचाने में अवरोधक नहीं बनता। किंतु मेरा वास यह है कि अहिंसा और धर्म को पैसों से खरीदा नहीं जा सकता। डंडे के बल से भी अहिंसा नहीं हो सकती। वह तो किसी के दिल को बदलने से ही हो सकती है। आज धार्मिकों की स्थिति बड़ी दयनीय है। उन्हें देखकर दिल में दर्द होता है। जैसे-तैसे शोषण से पैसे का अर्जन करते हैं, फिर उससे किसी मंदिर का फर्श और धर्मशाला बनाकर या सदाव्रत खोलकर मन से सोचते हैं कि हमने धर्म किया है। यह कैसी विडंबना है?

धर्म नहीं कहता कि आप पाप से पैसा कमाएं। ऐसे धार्मिक लोग हथियार नहीं रखते, किंतु कलम से न जाने कितनों के गले काट लेते हैं। कोई किसान सेठ के पास बैठा था। सेठ के कान से कलम गिर पड़ी। किसान बोला- आपकी छुरी गिर गई है। सेठ झुंझलाकर बोला- कैसी बात कर रहे हो, हम तो धार्मिक आदमी हैं, फिर छुरी कैसे रख सकते हैं? किसान ने कलम हाथ में लेकर पूछा- यह क्या है?

विचार मंथन

विदेशी बिकवाली, घरेलू खरीदारी से बैंक, म्युचुअल फंड और एलआईसी संकट में

(लेखक-सनत जैन)

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक अपना निवेश निकालकर मुनाफा वसूली करने में लग गए हैं। पिछले 5 दिनों में विदेशी निवेशकों ने लगभग 40000 करोड़ रुपए भारतीय शेयर बाजार से निकाल लिए हैं। इसके पहले भी विदेशी निवेशकों ने मुनाफा वसूली की है। विदेशी निवेशकों द्वारा चीन के शेयर बाजार में निवेश किया जा रहा है। भारत के शेयर बाजार से निवेशकों को पिछले 5 दिनों में लगभग 16.5 लाख करोड रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। इसमें भारत के घरेलू छोटे निवेशक और भारतीय वित्तीय संस्थानों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। भारतीय शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए सरकार ने पूरी ताकत लगा दी है। बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों को शेयर बाजार में निवेश करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। म्युचुअल फंड 2 लाख करोड रुपए शेयर बाजार में निवेश कर के वर्तमान गिरावट को रोकने की तैयारी मे हैं। जिस तरह की वैश्विक स्थितियां बन गई हैं। भारतीय शेयर बाजार, अडानी समूह की कंपनियों के निवेश को लेकर हिडनबर्ग की रिपोर्ट, सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच के ऊपर लगे आरोप, संसदीय समिति द्वारा जांच शुरू किए जाने, विपक्ष की जेपीसी की मांग को लेकर संसद सत्र के दौरान जो स्थिति बनी वह आगामी कुछ दिनों के बाद बन सकती है। ईरान, इजरायल, लेबनान, रूस और यूक्रेन के युद्ध को देखते हुए विदेशी बड़े निवेशक, भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकालकर अन्य शेयर बाजारों में निवेश कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में सोने और चांदी में निवेश किए जाने के कारण सोने के दाम भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में भारतीय बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम और म्युचुअल फंड का निवेश बड़ी मात्रा में शेयर बाजार में किया गया है। यह निवेश शेयर बाजार की आग में घी डालने जैसा है। यह सारा निवेश, मुनाफा वसूली के कारण शेयर बाजार में रुकने के स्थान पर और ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है। पिछले दो सालों से विदेशी निवेशक भारत में खरीदी करते थे, और उस निवेश को चीन के शेयर बाजार में जाकर बेच देते थे। इस रणनीति के तहत विदेशी निवेशकों ने चीन के शेयर बाजार के जरिए भारी मुनाफा कमाया है। इसमें भारत के बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने भी इस रास्ते का इस्तेमाल किया है। जिसके कारण शेयर बाजार की गिरावट को रोक पाना अब संभव नहीं हो पा रहा है। कुछ आर्थिक विशेषज्ञों का यह भी कहना है, कि जिस तरह से अमेरिका में 2008 की मंदी आई थी। ऊसने सारी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया था। 2008 की अमेरिकी मंदी को महामंदी का नाम दिया गया था। सितंबर 2008 में अमेरिका के लेहमन ब्रदर्स द्वारा की गई वित्तीय अनिमियतता के बाद दिवालिया होने का आवेदन देने से अमेरिका की सारी अर्थव्यवस्था एक ही झटके में ढह गई थी। अमेरिका के सैकड़ों बैंक एक-एक करके कुछ ही महीनो में दिवालियापन के शिकार हो गए थे। इसका असर सारी दुनिया के देशों में हुआ था। विश्व बैंक ने दुनिया के सभी केंद्रीय बैंकों को निर्देश दिए थे। वह डॉलर के साथ-साथ सोने में भी निवेश करें। ताकि दुनिया की अर्थव्यवस्था को कोई खतरा न पहुंचे। उसके बाद सारी दुनिया के देशों ने बड़े पैमाने पर सोना खरीदकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने एवं आयात निर्यात व्यापार को नियंत्रित रखने का प्रयास किया था। भारतीय शेयर बाजार में जिस तरीके की गिरावट देखने को मिल रही है। इसका असर भारत की वित्तीय संस्थानों में पड़ना तय है। जिसके कारण आर्थिक विशेषज्ञ यह कहने से नहीं चूक रहे हैं। जिस तरह की हालत अमेरिका में 2008 में हुई थी, उसी तरह के हालात भारत में 2024 को देखने को मिल रहे हैं।

1992 में जिस तरह से हर्षद मेहता ने शेयर मार्केट के माध्यम से जो गड़बड़ घोटाले किए थे, उसी तरह के आरोप हिडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए हैं। जिसके कारण दुनिया भर के निवेश भारतीय शेयर बाजार से अपनी दूरी बना रहे हैं। वहीं भारतीय कंपनियों ने बड़े पैमाने पर बैंकों में शेयर गिरवी रखकर भारी कर्ज लिया है, जिसके कारण निवेशकों में भारी घबराहट देखने को मिल रही है।

क्रूड ऑयल की कीमतों में बढ़ोत्तरी......आज बदली पेट्रोल और डीजल की कीमतें

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में बढ़ोत्तरी हो रही है। अब इसका रेट 74.45 रुपये प्रति बैरल हो गया है। पिछले कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमतों में यह बढ़ोतरी दिख रही है। भारतीय तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों के आधार पर रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमतों का संशोधन करती हैं। शनिवार को देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें (प्रति लीटर) इस प्रकार है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 और डीजल 87.62, मुंबई में पेट्रोल 104.21 और डीजल 92.15, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 और डीजल 91.76, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 और डीजल 92.34, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.84 और डीजल 88.95, क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतों के कारण भारत में भी पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव हो रहे हैं।

भवन निर्माण की लागत पर भी मिलेगा जीएसटी का इनपुट

नई दिल्ली । ईएमएस सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक बड़ा फैसला दिया है। उस फैसले के अनुसार रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी, वाणिज्य,लीजिंग जैसे व्यवसाय मालिकों को बहुत बड़ी राहत मिली है। सफारी रिट्रीटस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है,जीएसटी कानून के तहत इसे प्लांट माना जा सकता है। व्यवसाय के द्वारा भवन निर्माण में की गई निर्माण सामग्री की खरीद पर इनपुट का दावा किया जा सकता है। कोई भी कंपनी माल, गोदाम,रियल एस्टेट,हॉस्पिटल तथा व्यवसाय गतिविधियों के लिए निर्माण कार्य करता है। तो जीएसटी के रूप में का गए कर पर उसे जीएसटी का इनपुट अब सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से मिल सकता है। अभी तक इस तरह के निर्माण पर जीएसटी का इनपुट नहीं मिलता था। इस फैसले के बाद अब सभी होटल हॉस्पिटल वेयर हाउस और किराए की गतिविधियां चलाने वाले सभी फर्म को जीएसटी का इनपुट निर्माण कार्य की सामग्री में चुकाये गए,जीएसटी का इनपुट मिल सकेगा।

भारतीय विशेषज्ञों को लाकर कार्यबल को सुदृढ़ करेगा रूस

मॉस्को । यूक्रेन के साथ वार में उलझा रूस अब भारतीय विशेषज्ञों को अपने देश में लाकर अपने कार्यबल को सुदृढ़ करने जा रहा है। इस पहल की घोषणा नेशनल एसोसिएशन ऑफ बिल्डर्स (नोस्ट्रॉय) ने की। इसके तहत भारत से विशेषज्ञों को रूसी निर्माण स्थलों पर काम करने के लिए आकर्षित किया जाएगा। नोस्ट्रॉय के अध्यक्ष एंटोन ग्लुश्कोव ने येकातेरिनबर्ग में एक अंतरराष्ट्रीय निर्माण फोरम के दौरान बताया कि भारत कुशल श्रम बाजार में विशाल संभावनाएं प्रदान करता है, और रूस भारत के साथ साझेदारी विकसित कर रहा है। इसका उद्देश्य निर्माण उद्योग में श्रम शक्ति की गुणवत्ता और विशेषज्ञता को बढ़ाना है। यह योजना रूसी अधिकारियों द्वारा विदेशी श्रमिकों, विशेष रूप से भारत और उज्बेकिस्तान से आने वाले श्रमिकों की योग्यता को प्रमाणित करने पर आधारित है। नोस्ट्रॉय इन श्रमिकों के आवास, परिवहन और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने में सहायता करेगा। इस पहल का उद्देश्य रूस में कार्यरत अयोग्य श्रमिकों की संख्या को घटाकर कुल कार्यबल का 20 प्रतिशत करना है, जो वर्तमान में 80 प्रतिशत तक है। रूसी उप प्रधान मंत्री मारत खुसनुल्लिन के अनुसार, यह पहल देश में चल रही श्रम की कमी को दूर करने के लिए की जा रही है। रूसी निर्माण स्थलों पर 200,000 श्रमिकों की कमी है, जिसे यह परियोजना पूरा करने में मदद करेगी।

एक्स की कीमत में भारी गिरावट, प्लेटफार्म वैल्यू 9.4 बिलियन डॉलर हुई

नई दिल्ली।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स की कीमत में भारी गिरावट देखने को मिली है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क द्वारा 44 बिलियन डॉलर में खरीदे गए इस प्लेटफार्म की वैल्यू अब सिर्फ 9.4 बिलियन डॉलर रह गई है, जो करीब 80फीसदी की गिरावट है। यह गिरावट मुख्य रूप से प्लेटफार्म की घटती विज्ञापन आय और कंटेंट से जुड़ी चिंताओं के कारण मानी जा रही है।

जब 2022 में एलन मस्क ने ट्विटर का अधिग्रहण किया था, तब यह एक बड़ी चर्चा का विषय बना था। मस्क ने इसे निजी कंपनी बनाते हुए 44 बिलियन डॉलर खर्च किए थे। लेकिन अब रिपोर्ट के मुताबिक मस्क की इस डील के बाद से एक्स की वैल्यू में भारी कमी आई है। अगस्त 2024 में एक्स के शेयरों की कीमत 4.2 मिलियन डॉलर आंकी गई है, जो जुलाई की तुलना में 24फीसदी कम है और 2022 में मस्क द्वारा इसे खरीदे जाने के समय 19.66 मिलियन डॉलर थी।

विश्लेषकों का कहना है कि एक्स की घटती वैल्यू का सबसे बड़ा कारण इसके विज्ञापन राजस्व में गिरावट है। मस्क के अधिग्रहण के बाद, प्लेटफार्म पर चरमपंथी और विवादित कंटेंट के चलते कई बड़े विज्ञापनदाता इससे दूरी बनाने लगे। एक वैश्विक सर्वेक्षण के मुताबिक 26फीसदी मार्केटर्स ने 2024 में एक्स पर अपने विज्ञापन खर्च को कम करने की योजना बनाई है। इसके साथ ही, केवल चार फीसदी विज्ञापनदाताओं का मानना है कि एक्स पर विज्ञापन सुरक्षित हैं, जबकि गूगल पर यह आंकड़ा 39फीसदी है।

2023 में एलन मस्क द्वारा एक विवादास्पद पोस्ट के बाद कई ब्रांड्स ने एक्स पर विज्ञापन देना बंद कर दिया।

मस्क ने इसके लिए माफी तो मांगी, लेकिन ब्रांड्स से कहा कि आप खुद को संभालें। इसके बावजूद एक्स का दावा है कि प्लेटफार्म पर 570 मिलियन मंथली एक्टिव यूजर्स हैं, लेकिन रिसर्च के मुताबिक अमेरिका में इसके एक्टिव यूजर्स की संख्या 2023 से 11फीसदी तक कम हो गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि फिडेलिटी की यह वैल्यूएशन काफी आक्रामक हो सकती है। विशेषज्ञ का कहना है कि एक्स की वास्तविक वैल्यू इतनी कम नहीं हुई होगी और मस्क के एआई स्टार्टअप एक्सएआई के कारण लंबे समय में यह प्लेटफार्म अधिक मूल्यवान हो सकता है। एआई चैटबॉट के विकास में एक्स का डेटा इस्तेमाल हो रहा है, जिससे भविष्य में यह प्लेटफार्म लाभकारी साबित हो सकता है।

सेबी प्रमुख को लोक लेखा समिति ने 24 को किया तलब

नई दिल्ली । देश के प्रमुख नियामक प्राधिकरणों के कामकाज की समीक्षा के लिए संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) ने सेबी प्रमुख को तलब किया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के प्रमुखों को 24 अक्टूबर को समिति के समक्ष पेश होने के लिए बुलाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस बैठक में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग और संचार मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों को भी बुलाया गया है। सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और ट्राई के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी के प्रतिनिधि भी समिति के समक्ष अपनी संस्थाओं के कामकाज पर रिपोर्ट दे सकते हैं। यह समीक्षा उस समय हो रही है जब अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद के बाद नियामक संस्थाओं की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। इस संदर्भ में समिति का यह निर्णय महत्वपूर्ण माना जा रहा है। समिति की यह समीक्षा नियामक प्राधिकरणों के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। संसदीय कार्यप्रणाली के तहत यह परंपरा है कि जब भी संसदीय समिति द्वारा किसी संस्थान के प्रमुख को बुलाया जाता है, तो उन्हें अनिवार्य रूप से उपस्थित होना पड़ता है।

बीएमडब्ल्यू इंडिया ईवी पोर्टफोलियो में करेगी इजाफा.....7 से 15 प्रतिशत तक ले जाएगी

नई दिल्ली ।

जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता बीएमडब्ल्यू इंडिया ने अगले साल तक अपने पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की हिस्सेदारी मौजूदा 7 से बढ़कर 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। इसके अलावा इसकी इलेक्ट्रिक आईएक्स1 या एक्स1 के 60 प्रतिशत से अधिक खरीदार वे हैं जो पहली बार लक्जरी वाहन खरीदते हैं। जर्मनी की वाहन विनिर्माता ने खुलासा किया कि बीएमडब्ल्यू आई7, खास तौर पर भारतीय उपभोक्ताओं के बीच लोकप्रिय विकल्प रहा है और 7 सीरीज की बिक्री में आई7 की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वर्तमान में 7 सीरीज का राजस्व में 17 प्रतिशत हिस्सा है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा, 'हम अगले साल तक 15 प्रतिशत पैठ तक पहुंचने का लक्ष्य कर रहे हैं, जो बाजार की स्थितियों पर तय होगा। भविष्य को देखकर मेरा मानना है कि हम ईवी की लक्जरी श्रेणी में अपनी 50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी बरकरार रखने के साथ इस बढ़ सकते हैं।' बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कैलेंडर वर्ष 2024 के पहले नौ माह के दौरान 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब तक की अपनी सर्वश्रेष्ठ कार बिक्री की है। कुल 10,556 कारों (बीएमडब्ल्यू और मिनी) की डिलिवरी की गईं और साथ ही 5,638 बीएमडब्ल्यू मोटोराड मोटरसाइकलों की भी डिलिवरी की गई। यह वृद्धि बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज, 5 सीरीज और 7 सीरीज जैसे लॉन्ग-व्हीलबेस मॉडल की अधिक मांग के साथ-साथ बीएमडब्ल्यू आई7 की अगुआई में लक्जरी इलेक्ट्रिक वाहन श्रेणी में जारी नेतृत्व की बदौलत आई है।

ड्रेगन की चालाकी आई काम, अर्थव्यवस्था में 15 दिन में 269 लाख करोड़ की वृद्धि

नई दिल्ली।

चीन ने हाल ही में अपने शेयर बाजार और अर्थव्यवस्था को सुधारने बड़ा दांव खेला है। इस दांव के चलते 15 दिनों में चीन ने करीब 269 लाख करोड़ रुपए यानी 3.25 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप बढ़ा लिया है। यह रकम इतनी बड़ी है कि स्विट्जरलैंड, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के कुल मार्केट कैप का भी मुकाबला नहीं कर सकती।

चीन के बैंकिंग और रियल एस्टेट सेक्टर पिछले कुछ समय से दबाव में थे। बैंकों की सुरक्षा के लिए टैंक तक तैनात करने पड़े थे। इस स्थिति से निपटने के लिए चीन ने एक दांव खेला और भारी राहत पैकेज जारी कर दिया। इस राहत पैकेज का असर 15 दिनों में ही साफ दिखाई देने लगा है, जिससे चीन के शेयर बाजार का मार्केट कैप बढ़कर 10.1 ट्रिलियन डॉलर और हांगकांग शेयर बाजार का मार्केट कैप 6 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। चीन के प्रमुख शेयर बाजार शंघाई कंपोजिट इंडेक्स पर लिस्टेड 37 कंपनियों के स्टॉक्स में करीब एक हजार फीसदी का आया है। हांगकांग के हेंगसेंग स्टॉक एक्सचेंज पर भी 19 कंपनियों के शेयरों में 50 से 100 फीसदी इजाफा हुआ है।

चीन के केंद्रीय बैंक पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने प्रमुख ब्याज दर को 1.7 फीसदी से घटाकर 1.50 फीसदी कर दिया है। इसके अलावा, सरकार ने 142 अरब डॉलर का निवेश भी अर्थव्यवस्था में किया। इन कदमों का नतीजा यह हुआ कि लोन की ब्याज दरें 50 आधार अंक नीचे चली गईं, जिससे देश के पांच करोड़ से ज्यादा परिवारों को आर्थिक राहत मिली।

शेयर बाजार को बूस्ट करने के लिए ब्रोकर्स को 71 अरब डॉलर की स्वैप फैसिलिटी भी दी गई, जबकि लिस्टेड कंपनियों को रीफाइनेंसिंग का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया। इस प्रकार के प्रयासों ने चीन के शेयर बाजार में 17 फीसदी का उछाल देखा है। चीन की यह आर्थिक रणनीति न केवल घरेलू स्तर पर, बल्कि वैश्विक वित्तीय बाजार में भी असर डाल रही है। इसके परिणामस्वरूप चीन ने साबित कर दिया है कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूती बनाए रखने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।

आने वाले साल में कम होगी लीथियम आयन बैटरी की कीमत

देश के इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं को उम्मीद

नई दिल्ली ।

देश के इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं को अगले 12 माह के दौरान लीथियम आयन बैटरी की कीमत में 5 से 10 प्रतिशत की गिरावट होने की उम्मीद है। उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैटरियां मुख्य तौर पर चीन से आती हैं और चीनी बैटरियों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए दंडात्मक टैरिफ के बाद इन बैटरियों के सस्ते होने की उम्मीद है। कुछ दिन पहले ही बाइडेन प्रशासन द्वारा तय की गई टैरिफ से इन बैटरियों के चीनी निर्यात पर गंभीर असर पड़ सकता है। अपने घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धा से बचाने ने अमेरिका ने इस साल से इलेक्ट्रिक वाहन के लिए जरूरी लीथियम आयन बैटरी पर आयात शुल्क 7.5 फीसदी से बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया है।

चीन की अतिरिक्त बैटरी उत्पादन क्षमता से प्रेरित पिछली भारी गिरावट के कारण वाहन विनिर्माताओं की लागत में गिरावट आने की संभावना है। भारतीय विनिर्माताओं के लिए निकल मैंगनीज कोबाल्ट (एनएमसी) बैटरियों की कीमत सितंबर में कम होकर 90 डॉलर प्रति किलोवॉट हो गई है, जो छह माह पहले 100 डॉलर थी यानी इसमें 10 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा, लीथियम आयरन फॉस्फेट (एलएफपी) बैटरियां भी पहले से कहीं ज्यादा किफायती हो गई हैं। भारत के लिए एलएफपी सेल की कीमत सितंबर में घटकर 65 से 70 डॉलर प्रति किलोवॉट हो गईं, जो छह महीने पहले 75 डॉलर थी। एलएफपी और सामान्यतः उपयोग की जाने वाली एनएमसी बैटरियों की कीमत में इस अंतर के बाद कई कंपनियों को सस्ते विकल्पों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है। उदाहरण के लिए एथर एनर्जी ने अपने आईपीओ मसौदे में बताया है कि वह अपने कुछ इलेक्ट्रिक स्कूटरों में एलएफपी बैटरी के उपयोग पर विचार कर रही है और इसका परीक्षण पहले से ही चल रहा है। टाटा मोटर्स और एमजी मोटर्स जैसी कार विनिर्माता कंपनियां पहले से ही अपने कुछ मॉडलों में एलएफपी बैटरी का उपयोग कर रहे हैं। ईवी कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने कहा, फिलहाल, सभी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियां ज्यादातर चीन से बैटरी आयात करती हैं। ऐसी चिंताएं हैं कि विभिन्न उत्पादों पर अमेरिका द्वारा तय किए गए टैरिफ के बाद चीन भारत में अपना माल भेज सकता है, लेकिन लीथियम आयन बैटरी के साथ ऐसी चिंता नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत में अभी तक इसका विनिर्माण कोई नहीं कर रहा है और किसी भी देशी उत्पादन को बढ़ने में कम से कम साल 2026 तक का वक्त लगेगा। हमें इस मौके का फायदा लेना चाहिए।' ओला इलेक्ट्रिक अगले साल से लीथियम आयन बैटरी बनाना शुरू कर सकती है मगर शुरू में कंपनी सिर्फ अपने वाहनों के लिए लीथियम बैटरी तैयार करेगी।

महिंद्रा थार रॉक्स को मिलीं 1.76 लाख से ज्यादा बुकिंग

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की महिंद्रा थार रॉक्स 5-डोर कार की गुरुवार को बुकिंग शुरू की गई है। बुकिंग शुरु होने के सिर्फ एक घंटे के बाद ही इस एसयूवी को 1,76,218 यूनिट्स की बुकिंग मिल गई है। महिंद्रा थार रॉक्स में पहला 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 162एचपी की पावर और 330एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। वहीं दूसरा 2.2-लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो 152एचपी की पावर और 330 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। दोनों इंजन मैनुअल ट्रांसमिशन गियरबॉक्स से जोड़े गए हैं। इस गाड़ी में नया 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी, डिजिटल कलर इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट, डुअल-टोन अपहोल्स्ट्री, थ्री-प्वाइंटेड सीट बेल्ट, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी) और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स दिए गए हैं। बता दें कि महिंद्रा थार रॉक्स भारतीय बाजार में 15 अगस्त को लॉन्च की गई थी। इस गाड़ी के बेस पेट्रोल वेरिएंट (एमएक्सआई) की शुरुआती कीमत 12.99 लाख और बेस डीजल वेरिएंट की शुरुआती कीमत 13.99 लाख रुपए एक्स-शोरूम है।

स्विगी की 10 मिनट में खाना डिलीवर करने की सेवा 'बोल्ट' शुरू

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने घोषणा की कि वह कुछ चुनिंदा फूड आइटम्स को 10 मिनट में डिलीवर करने की सेवा 'बोल्ट' शुरू कर रही है। स्विगी की इस नई सेवा का उद्देश्य ग्राहकों को और तेज़ और सुविधाजनक सेवा प्रदान करना है। फिलहाल, यह सेवा भारत के 6 प्रमुख शहरों हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली, पुणे, चेन्नई और बेंगलुरु के चुनिंदा स्थानों पर शुरू की गई है। आने वाले हफ्तों में इसे और भी जिलों में विस्तार दिया जाएगा। कंपनी ने कहा है कि इसका मकसद ग्राहकों को बिना किसी इंतजार के लंच, डिनर या ब्रेकफास्ट के लिए जल्दी से खाना उपलब्ध कराना है।

'बोल्ट' सेवा के तहत, स्विगी दो किलोमीटर के दायरे में मौजूद चुनिंदा रेस्तरां से त्वरित फूड डिलीवरी करेगी। इस सेवा के तहत बर्गर, बिरयानी, नाश्ते के सामान, और पेय पदार्थ जैसे आइटम्स पेश किए जाएंगे, जिन्हें बनाने में कम समय लगता है। इसके साथ ही, आइसक्रीम, मिठाई, और स्नैक्स जैसी वस्तुओं की भी डिलीवरी दी जाएगी जो पहले से पैक होकर तैयार होती हैं। स्विगी के फूड मार्केटप्लेस के सीईओ रोहित कपूर ने कहा, बोल्ट हमारे मिशन का अगला कदम है, जो उपभोक्ताओं को बेजोड़ सुविधा प्रदान करता है। दस साल पहले, स्विगी ने फूड डिलीवरी का औसत समय 30 मिनट तक कम करके एक नई क्रांति लाई थी, और अब हम इस समय को और भी घटाने जा रहे हैं।

कंपनी ने स्पष्ट किया कि उनके डिलीवरी पार्टनर्स को बोल्ट और नियमित ऑर्डर के बीच कोई जानकारी नहीं दी जाएगी, ताकि सेवा की गुणवत्ता में कोई अंतर न हो। स्विगी की यह नई पहल प्रतिद्वंदी जोमैटो को कड़ी चुनौती देने वाली है, और कंपनी इसे अपने आगामी आईपीओ से पहले एक बड़ा कदम मान रही है। बता दें कि ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंनियों के बीच तेज डिलीवरी की होड़ बढ़ती जा रही है।

अभी तक ई-कॉमर्स कंपनियां 10 मिनट में सामान डिलीवरी पर जोर दे रही थीं, वहीं अब स्विगी ने इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

नया इलेक्ट्रिक स्कूटर एलएमएल स्टार जल्द होगा लांच

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी एलएमएल ने अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर एलएमएल स्टार की लॉन्चिंग की घोषणा की है। एलएमएल स्टार का डिजाइन एक अनुभवी इटालियन डिजाइन टीम द्वारा तैयार किया गया है, जिन्होंने पहले डुकाटी, फरारी, यामाहा और कावासाकी जैसे प्रमुख ब्रांडों के साथ काम किया है। कंपनी अब पेट्रोल स्कूटर या बाइक की बजाय पूरी तरह इलेक्ट्रिक स्कूटर पर ध्यान केंद्रित कर रही है। एलएमएल ने इलेक्ट्रिक स्कूटरों की मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च के लिए सायरा इलेक्ट्रिक ऑटो प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है।

एलएमएल स्टार का डिज़ाइन अत्याधुनिक होगा, जिसमें फ्लैट फ्लोर बोर्ड और मैक्सी स्कूटर डिज़ाइन शामिल है। सीट के नीचे और पिलियन ग्रैब हैंडल पर लाल रंग के एक्सेंट इसे आकर्षक बनाते हैं। फ्रंट एप्रन में डीआरएलएस और ऑटोमैटिक हेडलैंप के साथ डुअल-टोन डिज़ाइन की विशेषताएँ दी गई हैं।

हालांकि, स्कूटर की बैटरी, रेंज और प्रदर्शन के बारे में अधिक जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। लेकिन तस्वीरों से यह स्पष्ट होता है कि इसमें एक मिड-माउंटेड मोटर है, जो बेल्ट ड्राइव सिस्टम के जरिए रियर व्हील को पावर देती है। इसके अलावा, स्कूटर को टेलिस्कोपिक फोर्क और साइड माउंटेड मोनोशॉक पर लटकाया गया है, जिससे इसकी सवारी का अनुभव बेहतर होगा।

ब्रेकिंग के लिए इसमें आगे और पीछे डिस्क ब्रेक्स हैं, और इसमें सिंगल चैनल एबीएस जैसे फीचर्स भी शामिल हो सकते हैं।एलएमएलका यह नया इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर और ओला जैसी प्रतिस्पर्धी कंपनियों के लिए चुनौती पेश करेगा।

कंपनी की योजना है कि एलएमएल स्टार को आगामी फेस्टिव सीजन में भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाए, जिससे उत्सव के दौरान ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके।

अंबानी अब भी दुनिया के अमीरों की सूची में 14वें और एशिया में पहले स्थान पर

निवेशकों के 16 लाख करोड़ रुपये का हुआ नुकसान

नई दिल्ली ।

चालू सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 4,000 अंक से अधिक नीचे गिर गया। इस गिरावट के कारण निवेशकों को 16 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सेसेंक्स में शुक्रवार को हुई गिरावट से रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 1.62 अरब डॉलर (लगभग 13,612 करोड़ रुपये) की गिरावट दर्ज की गई, जिससे उनकी कुल संपत्ति घटकर 105 अरब डॉलर हो गई। इसके बावजूद, अंबानी दुनिया के अमीरों की सूची में 14वें और एशिया में पहले स्थान पर बने हुए हैं। इस साल उनकी संपत्ति में 8.93 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिकी शेयर बाजार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली, जिससे वहां के अरबपतियों की संपत्ति में भी वृद्धि हुई। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की संपत्ति में सबसे अधिक 6.73 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई, जिससे उनकी कुल संपत्ति 263 अरब डॉलर हो गई। मस्क पहले स्थान पर बने हुए हैं। उनके बाद मार्क जकरबर्ग 211 अरब डॉलर और जेफ बेजोस 209 अरब डॉलर के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

अन्य प्रमुख अरबपतियों में बर्नार्ड अरनॉल्ट (193 अरब डॉलर), लैरी एलिसन (183 अरब डॉलर), बिल गेट्स (161 अरब डॉलर), लैरी पेज (151 अरब डॉलर), वॉरेन बफे (146 अरब डॉलर), स्टीव बाल्मर (145 अरब डॉलर), और सर्गेई ब्रिन (142 अरब डॉलर) शामिल हैं। दूसरी ओर, अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी 100 अरब डॉलर के क्लब से बाहर हो गए हैं। शुक्रवार को उनकी संपत्ति में 94.2 करोड़ डॉलर की गिरावट आई, जिससे वह दुनिया के अमीरों की सूची में 18वें स्थान पर खिसक गए हैं और उनकी कुल संपत्ति अब 99.5 अरब डॉलर है। हालांकि, इस साल उनकी संपत्ति में 15.2 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 बिलियन डॉलर पार

- विदेशी मुद्रा भंडार ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गया है। पहली बार विदेश मुद्रा भंडार इस ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा है। बीते महीने 27 सितंबर 2024 को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 12.588 बिलियन डॉलर के उछाल के साथ 704.885 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले हफ्ते 692.29 बिलियन डॉलर था।

इस बढ़ोतरी के पीछे मुख्य कारण एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेश) में भारी वृद्धि है, जिससे फॉरेन करेंसी रिजर्व में इजाफा हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक (ऋक्क) द्वारा 4 अक्टूबर 2024 को जारी डेटा के अनुसार, फॉरेन करेंसी एसेट्स में 10.46 बिलियन डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे यह 616.154 बिलियन डॉलर हो गया।

इसके अलावा, सोने के दामों में उछाल से आरबीआई के गोल्ड रिजर्व की वैल्यूएशन में भी बढ़ोतरी हुई, जो 2.184 बिलियन डॉलर की बढ़त के साथ 657.96 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। एसडीआर (स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स) में भी 308 मिलियन डॉलर की वृद्धि देखी गई, जिससे इसका स्तर 18.54 बिलियन डॉलर हो गया है। हालांकि, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड में जमा रिजर्व में 71 मिलियन डॉलर की गिरावट के साथ यह 4.38 बिलियन डॉलर पर आ गया।

बैंक ऑफ अमेरिका ने अनुमान जताया है कि मार्च 2026 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 745 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

बैंक ऑफ अमेरिका के एनालिस्ट राहुल बजोरिया और अभय गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बैंक बड़े विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर सहज दिख रहा है, क्योंकि यह आकस्मिक बाहरी जोखिमों के खिलाफ एक मजबूत बफर के रूप में कार्य कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का भंडार अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले मजबूत है, हालांकि यह अति-प्रचुर नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ड्रॉ पर राजी हुए दोनों कप्तान, मुम्बई ने 15वीं बार जीता ईरानी ट्रॉफी का खिताब

लखनऊ (एजेंसी)। पारी में शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिली बढ़त के दम पर मुम्बई ने ईरानी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया हैं। यह 15वीं बार है जब मुम्बई ने यह खिताब जीता है। मुंबई और शेष भारत के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। मुंबई ने पहली पारी में 537 रन बनाए थे। शेष भारत की पारी 416 रनों पर सिमट गई। मुंबई ने दूसरी पारी में आठ विकेट पर 329 रन बनाए लिए थे तभी दोनों कप्तान ड्रॉ पर राजी हो गए।

मुंबई के युवा आलरांउडर तनुष कोटियान ने आज अपने कल के स्कोर 20रन से आगे धैर्यपूर्ण शुरुआत की। वह आठवें नंबर पर जब बल्लेबाजी करने के लिए आये उस समय मुंबई 125 के स्कोर पर अपने छह विकेट गवां चूकी थी। सुबह के सत्र में जल्द ही टीम का स्कोर 8 विकेट पर 171 रन हो गया। इसके बाद भी कोटियान पिच पर जमे रहे। उन्होंने 135 गेंदों पर उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना दूसरा शतक पूरा किया। उन्होंने 150 गेंदों पर 10 चौके और आठ छक्के लगाते हुए (नाबाद 114) रन बनाए।

इससे पहले उन्होंने अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक नंबर-10 पर खेलते हुए बनाया था। पहली पारी में दोहरा शतक बनाने वाले सरफराज खान दूसरी पारी में विफल रहे और 17 रन पर सारांश जैन ने उन्हें पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद शार्दुल ठाकुर (2) भी सारांश जैन का शिकार बने। आठ विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए मोहित अवस्थी ने तनुष का बखूबी साथ निभाया और दोनों बल्लेबाजों ने नौवें विकेट के लिए रिकार्ड 158 रन जोड़े। मोहित अवस्थी ने 93 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से (नाबाद 51) रन बनाए। शेष भारत की ओर से सारांश जैन ने छह विकेट लिए। मानव सुथार ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

मूडी ने हार्दिक की फिटनेस और प्रदर्शन पर सवाल उठाये

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या सहित कुछ खिलाड़ियों को आईपीएल में करोड़ों रुपये के स्लैब में रखे जाने पर सवाल उठाये हैं। मूडी ने पंड्या की फिटने पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब आपको एक बड़ी रकम दी जाती है तो आपको मैच विजेता होना चाहिये और ये भूमिका नियमित रूप से निभानी चाहिये। इस प्रकार से मूडी ने साफ तौर पर हार्दिक की फिटनेस और प्रदर्शन पर सवाल उठाया। बीसीसीआई ने हाल ही में आईपीएल को लेकर नियमों में बदलाव करते हुए कहा था कि एक फ्रेंचाइजी छह खिलाड़ियों को साथ रख सकती है। इनमें दो खिलाड़ियों को 18 करोड़ रुपए की स्लैब में रखा गया है जबकि कुछेक को 14 करोड़ रुपए मिलेंगे। एक खिलाड़ी को 11 करोड़ मिलेंगे। इसी स्लैब पर मूडी ने आपत्ति जतायी है।मूडी ने कहा कि मेरे अनुसार 18 करोड़ की स्लैब में जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी आने चाहिये। साथ ही सवाल किया कि जब आप हार्दिक पंड्या के साथ उन सभी क्षेत्रों का आंकलन करते हैं, तो सवाल उठते हैं कि वह 18 करोड़ का खिलाड़ी बनने के लायक हैं या नहीं। इसके साथ ही इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि मुम्बई इंडियंस ने पिछले कुछ संस्करणों में अपनाई है, जिसने उन्हें मुश्किल में डाल दिया। उन्होंने इशान किशन और जोफ्रा आर्चर की बात करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मुम्बई को नीलामी की मेज पर थोड़ी समस्या हुई है। वे कुछ मामलों में बहुत अधिक वफादार हो गए हैं और फिट नहीं हुए खिलाड़ियों को भी उन्होंने अपनी टीम में बनाए रखने या वापस लाने की कोशिश की है, जो उन्हें महंगा पड़ा है।

भारत और श्रीलंका के बीच हो सकता है डब्यूटीसी फाइनल

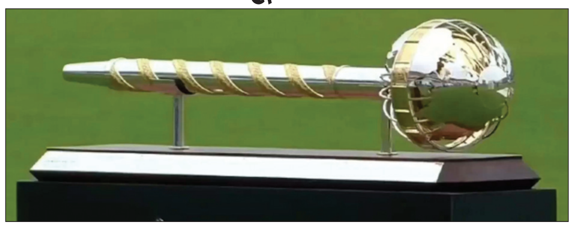

मुम्बई (एजेंसी)। इस बार भारत और श्रीलंका की टीमों के बीच विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) के इस तीसरे संस्करण का फाइनल हो सकता है। भारतीय टीम पहले दो संस्करण में उपविजेता रही थी। पहली बार उसे न्यूजीलैंड जबकि दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। इस बार जहां भारतीय टीम बांग्लादेश पर जीत के साथ ही अंक तालिका में नंबर एक स्थान के साथ ही फाइनल की दावेदार है जबकति श्रीलंका भी ऑस्ट्रेलिया को टक्कर देती दिख रही है। भारतीय टीम का अभी जीत प्रतिशत

74.24 है और उसे फाइनल में पहुंचने 8 में से 3 मैच ही जीतने होंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया का जीत प्रतिशत 62.5 है और उसे 7 में से 4 मैच जीतने होंगे। श्रीलंका का जीत प्रतिशत 55.56 है और उसे 4 में से 3 मैच जीतने हैं। इंग्लैंड का जीत प्रतिशत 42.19 है और वह दौड़ से बाहर हो गयी है। वहीं द. अफ्रीका का जीत प्रतिशत 38.89 है और उसे 6 में से 5 मैच जीतने होंगे।

न्यूजीलैंड का जीत प्रतिशत 37.50 है और उसे अपने 6 में से सभी 6 मैच जीतने होंगे।

आंकड़े साफ हैं कि श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ही फाइनल में भारत से भिड़ने वाली दूसरी टीम होने की संभावनाएं हैं। भारत को अभी 8 में से 3 टेस्ट जीतने जरूरी है। ये लक्ष्य टीम न्यूजीलैंड को 3 टेस्ट मैच की घरेलू सीरीज में ही हराकर ही हासिल कर सकता है। जबकि श्रीलंका को दक्षिण अफ्रीका से 2 तो ऑस्ट्रेलिया से सिर्फ एक ही टेस्ट जीतने की जरूरत है। श्रीलंका इसलिए भी पसंदीदा है क्योंकि घरेलू धरती पर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज घरेलू मैदान पर खेलनी है। डब्लयूटीसी फाइनल की रेस से अभी , इंग्लैंड, बांग्लादेश, पाकिस्तान और विंडीज जैसी टीमें बाहर हो चुकी है हालांकि ये अन्य टीमों के लिए बाधा जरुर बन सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश दौरे पर जाना है। इस सीरीज में अगर वह हारती है तो पूरी तरह से बाहर हो जाएगी। वहीं इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड से 3 टेस्ट खेलने है। अगर न्यूजीलैंड एक टेस्ट हारा या ड्रा रहा तो वह फाइनल की रेस से बाहर हो जाएगा।

रसेल, पूरन और हेटमायर बाहर... श्रीलंका के खिलाफ नई टी20 टीम की घोषणा

– वेस्टइंडीज चयनकर्ताओं ने युवाओं पर दिखाया भरोसा

सेंट जोंस (एजेंसी)। आंद्रे रसेल, निकोलस पूरन, शिमरोन हेटमायर और अकील होसेन ने निजी कारणों से बाहर होने का विकल्प चुना है, क्योंकि वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए एक नई टी20 टीम की घोषणा की है। उनकी अनुपस्थिति में, टीम दांबुला में तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में नई प्रतिभाओं और वापसी करने वाले चेहरों को आजमाएगी, जो टीम की गहराई और बहुमुखी प्रतिभा का आकलन करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

सबसे उल्लेखनीय वापसी इसमें सलामी बल्लेबाज एविन लुईस की है, जिन्होंने अंतिम बार 2022 में टी20 विश्व कप में इंडीज का प्रतिनिधित्व किया था। उनकी वापसी बल्लेबाज के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्हें श्रीलंकाई दौरे के लिए एकदिवसीय टीम में भी शामिल किया गया है। लुईस के साथ ब्रैंडन किंग भी शामिल हैं, जो एक और वापसी करने वाले खिलाड़ी हैं, जो इंजरी से उबर चुके हैं, जिसकी वजह से वे टी20 विश्व कप और 2024 कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से बाहर हो गए थे।

रसेल और अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में, वेस्टइंडीज ने दो नए चेहरों पर दांव लगाया है। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर टेरेंस हिंड्स और एंटीगा और बारबुडा फाल्कंस के शमर स्प्रिंगर का नाम शामिल है। दोनों खिलाड़ियों ने 2024 सीपीएल सीजन के दौरान प्रभावित किया, जिसमें हिंड्स ने टीकेआर के लिए डेथ बॉलर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया और स्प्रिंगर स्पिनर के दबदबे वाले टूर्नामेंट में फाल्कन्स के शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे। स्प्रिंगर की धीमी-गेंद की विविधता और लगातार प्रदर्शन ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई, और स्प्रिंगर से श्रीलंका की धीमी पिचों पर एक मूल्यवान संपत्ति बनने की उम्मीद है।

रोवमैन पॉवेल टी20 टीम के कप्तान हैं, जबकि रोस्टन चेस उपकप्तान नियुक्त किए गए है। चेस, जिन्होंने हाल ही में वेस्टइंडीज के साथ एक केंद्रीय अनुबंध हासिल किया है, अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा लाते हैं, विशेष रूप से स्पिन विभाग में, जहां वे फ्रंटलाइन स्पिनर गुडाकेश मोती का साथ देने वाले है। बाएं हाथ के फिंगर स्पिनर मोती टीम के प्राथमिक स्पिन विकल्प हैं, लेकिन चेस और अन्य ऑलराउंडरों को भी श्रीलंका की परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए बुलाया जाएगा। कोच डेरेन सैमी, जो अब सिस्टम में बदलाव के बाद चयन पैनल का नेतृत्व करते हैं, ने प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद टीम पर भरोसा जताया। सैमी ने क्रिकेट वेस्टइंडीज के बयान में कहा, श्रीलंका का दौरा हमें अपनी गहराई का परीक्षण करने और विभिन्न परिस्थितियों में खिलाड़ियों का आकलन करने का मौका देता है, खासकर कई वरिष्ठ खिलाड़ियों के चोट से आराम और पुनर्वास की आवश्यकता सहित विभिन्न कारणों से बाहर रहने के कारण।

वेस्टइंडीज टी 20 टीम

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेस (उप-कप्तान), फैबियन एलन, एलिक एथनाज़, आंद्रे फ्लेचर, टेरेंस हिंड्स, शाई होप, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर शामिल है।

वेस्टइंडीज वनडे टीम

शाई होप (कप्तान), अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, एलिक एथनाज़, कीसी कार्टी, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, हेडन वॉल्श जूनियर शामिल है।

टी20 लीग से बर्बाद हुआ पाकिस्तान क्रिकेट : जहीर अब्बास

अजमान। पाकिस्तान के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में शामिल रहे जहीर अब्बास ने कहा है कि उनकी टीम का प्रदर्शन बदतर होने का कारण देश में बढ़ता हुआ टी20 लीग क्रिकेटर है। जहीर के अनुसार लीग क्रिकेट से काफी पैसा मिल रहा है जिससे खिलाड़ियों का ध्यान खेल से ही हट गया है। इस वजह से खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट की मूल बातें भूल गए हैं। अब्बास ने कहा कि क्रिकेट में इतना पैसा आ गया है कि खिलाड़ी इन दिनों केवल पैसा कमाने में ही लगे हैं और उनका ध्यान खेल से पूरी तरह हट गया है। जहीर अब्बास ने यूएई के अजमान में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'पाक क्रिकेट का दुर्भाग्य यह है कि इसे चलाने वाले ही क्रिकेट को नहीं जानते हैं। वहीं हमने पाक क्रिकेट को बहुत ऊंचाई पर पहुंचाया था। तब दुनिया पाक टीम को मानती थी पर आज हालात बेहद खराब हैं। अभी जो लोग क्रिकेट प्रबंधन में हैं, उन्हें सिर्फ अपनी चिंता है और क्रिकेट या खिलाड़ियों की कोई चिंता नहीं है.' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पाकिस्तान का दौरा करना चाहिए। साथ ही कहा कि इससे भारतीय उपमहाद्वीप, खासकर पाकिस्तान में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'हम क्रिकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं। ऐसे में अगर भारत पाकिस्तान में आकर खेलता है तो यह क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा होगा। भारतीय टीम का पाकिस्तान में आकर खेलना सकारात्मक कदम होगा और इससे पाकिस्तान में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा।

तीन नहीं, 4 नंबर पर आदर्श होंगी हरमनप्रीत : पूनम यादव

नई दिल्ली। लेग स्पिनर पूनम यादव का मानना है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर बड़े शॉट खेलने की काबिलियत के कारण बल्लेबाजी क्रम में चौथे स्थान के लिए ज्यादा उपयुक्त हैं जबकि जेमिमा रोड्रिग्स तीसरे स्थान के लिए आदर्श होंगी। हरमनप्रीत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं और उन्होंने 14 गेंद में 15 रन बनाए। भारतीय टीम शुक्रवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में 58 रन से हार गई। टूर्नामेंट से पहले भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने संकेत दिया था कि हरमनप्रीत विश्व कप में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगी। पूनम ने कहा कि मैं जेमिमा को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए देखना पसंद करूंगी क्योंकि वह उस समय 'फील्ड' का उपयोग कर सकती हैं जब सिर्फ दो क्षेत्ररक्षक सर्कल के बाहर हों। हरमनप्रीत बड़े हिट लगाने के लिए बेहतर हैं जबकि जेमिमा एक या दो रन बनाने के लिए स्ट्राइक रोटेट कर सकती हैं और ढीली गेंदों का फायदा उठाकर उन्हें चौके या छक्के में बदल सकती हैं। टीम से बाहर चल रही इस स्पिनर ने कहा कि तीसरा नंबर एक अहम स्थान है इसलिए जेमिमा को वहां और हरमनप्रीत को चौथे नंबर पर रखना आदर्श होगा क्योंकि आपको एक अच्छे फिनिशर के साथ बड़े शॉट लगाने वाले खिलाड़ी की जरूरत होती है।

बेन स्टोक्स पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर, इंग्लैंड की प्लेइंग 11 में ये प्लेयर करेगा डेब्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मुल्तान में 7 अक्टूबर से शुरू हो रहे पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड के पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। स्टोक्स को दो महीने पहले हंड्रेड में खेलते समय हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी, जिसके कारण वह श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की 2-1 से सीरीज की जीत से चूक गए थे। मुल्तान में टीम के साथ ट्रेनिंग करने के बावजूद स्टोक्स पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे जिसका मतलब है कि कार्यवाहक कप्तान ओली पोप टीम की अगुआई करना जारी रखेंगे।

स्टोक्स ने कहा, 'मैंने इस पहले मैच के लिए खुद को फिट करने की पूरी कोशिश की, लेकिन यह मैच छोड़ने का फैसला किया है। मैं पूरी तरह से मैच के लिए तैयार नहीं हो पाया हूं। हम एक निश्चित बिंदु पर पहुंच गए हैं, लेकिन आगे जो कुछ भी होने वाला है और वास्तव में मैं अपने रिहैब के साथ शारीरिक रूप से कहां हूं, इसे देखते हुए मैं खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हूं।'

यह पूछे जाने पर कि क्या वह 15 अक्टूबर से मुल्तान में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए फिट होंगे, स्टोक्स ने कोई वादा नहीं किया। उन्होंने कहा, 'पक्का नहीं। मैंने अविश्वसनीय रूप से कठिन परिश्रम किया है और मेडिकल टीम के साथ वास्तव में कड़ी मेहनत की है ताकि मैं अब वहां पहुंच सकूं। मुझे लगता है कि मैं हमारी उम्मीद से कहीं आगे हूं। मैं दूसरे टेस्ट के लिए खुद को फिट करने की कोशिश करने के लिए अगले 10 दिनों में उतनी ही मेहनत करूंगा।'

तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्से अपना टेस्ट डेब्यू करेंगे और इस साल इंग्लैंड के छठे टेस्ट डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बनेंगे जबकि तेज गेंदबाज ऑलराउंडर क्रिस वोक्स 2016 के बाद से एशिया में सबसे लंबे प्रारूप में अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं। बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच जनवरी में हैदराबाद में भारत के खिलाफ टेस्ट के बाद पहली बार प्लेइंग इलेवन में वापसी कर रहे हैं और ऑफ स्पिनर शोएब बशीर के साथ स्पिन गेंदबाजी विभाग संभालेंगे। सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली भी वेस्टइंडीज पर 3-0 की सीरीज जीत के दौरान लगी उंगली की चोट से पूरी तरह से उबरकर वापस आ गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज गस एटकिंसन जांघ की चोट से उबरकर अपना पहला विदेशी टेस्ट मैच खेलने के लिए फिट हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जैक लीच और शोएब बशीर

कोको गॉफ चीन ओपन के फाइनल में पहुंची, अब ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता से सामना

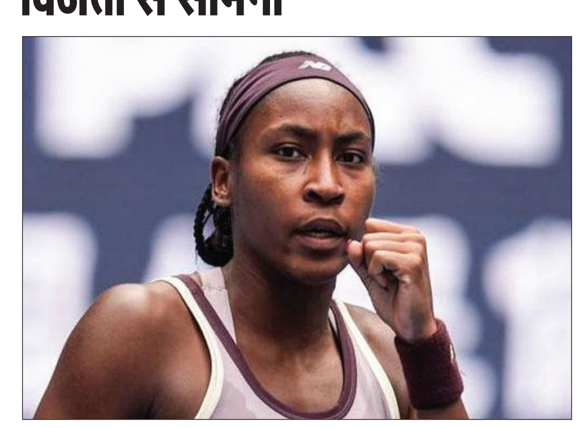

बीजिंग। अमेरिका की कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए शनिवार को पाउला बडोसा को 4-6, 6-4, 6-2 से हराकर चीन ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। यह लगातार तीसरा मैच है जब गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद दमदार वापसी कर मैच को अपने नाम किया। डब्ल्यूटीए-1000 स्तर के इस टूर्नामेंट के फाइनल में छठी रैंकिंग वाली गॉफ के सामने रविवार को फाइनल में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन या चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा की चुनौती होगी। यह 20 साल की खिलाड़ी 19वी रैंकिंग पर काबिज बडोसा के खिलाफ शुरुआती सेट को गंवाने के बाद दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रही थी। उन्होंने हालांकि इसके बाद शानदार वापसी कर मुकाबले को अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए खतरा बढ़ा : हैडिन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हैडिन ने कहा है कि भारतीय टीम पिछले कुछ समय में और भी बेहतर हो गयी है। ऐसे में वह बॉडर गावस्कर सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए खतरा बढ़ गया है। हैडिन के अनुसार जिस प्रकार भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ वर्षा प्रभावित मैच में आक्रामक रुख अपनाकर जीत हासिल की थी वैसा ही वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी कर सकती है। हैडिन ने कहा कि भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाज ने तीन दिन में केवल एक सत्र का खेल होने के बाद भी मैच में जीत की उम्मीद नहीं छोड़ी और अंतिम दिन मुकाबला जीत कर दी दम लिया। हैडिन ने कहा कि उन्हें भारतीय टीम के खेलने का ये अंदाज पसंद आया। ये खेल के साथ ही टेस्ट क्रिकेट के भविष्य के लिए भी अच्छा है। हैडिन ने कहा कि उन्होंने मैच जीतने के लिए जोखिम उठाकर पूरे प्रयास किये। उनके बल्लेबाज बल्लेबाजी तेजी से अधिक से अधिक रन जुटाने का प्रयास कर रहे थे। उनका ध्यान बांग्लादेश को आउट करने के लिए जरूरी समय बचाने पर था। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने शानदार क्रिकेट खेला, यह टीम को जीत के लिए समय देने के बारे में था। मैं इस प्रदर्शन के लिए टीम का बधाई देता हूं। हैडिन ने कहा कि रोहित ऐसे खिलाड़ी हैं। उनके लिए जीत पहले है और बाकी चीजें बाद में आती है और भारतीय टीम ने उसी जज्बे के साथ खेला और अपने लिए टेस्ट मैच जीतने का अवसर बनाया। मुझे उनके क्रिकेट खेलने का यह तरीका पसंद आया है। वहीं हैडिन से जब पूछा गया कि क्या भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी ऐसा कर सकता है तो उन्होंने कहा कि मेरा यही मानना है। भारतीय टीम को मैच हारने का डर नहीं है वह ड्रॉ नहीं बल्कि जीत चाहती है। यही टेस्ट जीतने का एक शानदार तरीका है।

युवा खिलाड़ियों को आने वाले समय में सभी प्रारुपों के लिए टीम में अवसर देंग : मार्श

मैनचेस्टर। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा है कि युवा खिलाड़ियों जेवियर बार्टलेट, आरोन हार्डी, कूपर कोनोली और जेक फेजर-मैकगर्क ने जिस प्रकार इंग्लैंड के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उसे देखकर काफी खुशी हुई है। साथ ही कहा कि इस युवा खिलाड़ियों को आने वाले समय में सभी प्रारुपों के लिए टीम में अवसर मिलेगा। अनुभवी खिलाड़ियों के बाहर होने के कारण टी20 सीरीज में इन युवाओं को अवसर मिला था जिसमें इन्होंने अपने को साबित किया। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20आई सीरीज के दौरान एक नई अंतिम ग्यारह को उतरा था। ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुई। इमसें बार्टलेट, आरोन , कूपर और जेक फेजर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने को साबित किया है। जेक फेजर ने इससे पहले आईपीएल 2024 में भी शानदार प्रदर्शन किया था। मार्श ने कहा कि हर खिलाड़ी के पास अपनी क्षमता दिखाने का अवसर था जो उन्होंने दिखायी। फेजर को स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बादपहले टी20आई से बाहर कर दिया गया था। वह दूसरे टी20आई के लिए तीसरे नंबर पर टीम में लौटे और अपनी बल्लेबाजी से सभी का दिल जीता। फेजर-मैकगर्क ने इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करते हुए 30 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। इस प्रकार वह पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20आई अर्धशतक बनाने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। मार्श ने कहा, हम सभी जानते हैं कि जेक फेजर-मैकगर्क कितने शानदार खिलाड़ी हैं। हमने खिलाड़ियों को अलग-अलग भूमिकाएं दी हैं और यह रोमांचक रहा है। हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी न किसी स्तर पर वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए युवा खिलाड़ियों को खेलते देखना आश्चर्यजनक है।

ईरानी कप : दोहरे शतक बनाकर बोले सरफराज खान- एक मेरा, एक मेरे भाई का

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय घरेलू क्रिकेट के रन मशीन सरफराज खान ने सड़क दुर्घटना के कारण शेष भारत के खिलाफ ईरानी कप के मैच से अपने छोटे भाई मुशीर खान के बाहर होने के बाद वादा किया था कि वह इस मैच में दोहरा शतक लगाएंगे। सरफराज ने इस मैच में नाबाद 222 रन की पारी खेली जिससे मुंबई ने पहली पारी में 537 रन बनाए। शानदार लय में चल रहे मुशीर इस मैच में हिस्सा लेने के लिए अपने पिता नौशाद खान के साथ कार से लखनऊ आ रहे थे लेकिन उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

सरफराज ने तीसरे दिन के खेल के बाद यहां कहा कि हां, यह मेरे लिए एक भावनात्मक सप्ताह रहा है। मैंने अपने परिवार और साथियों से वादा किया था कि अगर मैं क्रीज पर थोड़ा समय बिताने में सफल रहा तो 200 का स्कोर बनाऊंगा। इसमें एक मेरे लिए और एक मेरे भाई के लिए। इस 26 साल के खिलाड़ी ने कहा कि अगर वह (मुशीर) इस मैच का हिस्सा होता तो अब्बू काफी गौरवान्वित होते। दुर्भाग्य से उसे दुर्घटना का सामना करना पड़ा। ऐसे में मैंने सोचा कि मैं इस मैच में दोहरा शतक लगाने की कोशिश करूंगा।

सरफराज ने कहा कि उन्होंने खुद से 7 साल छोटे अपने भाई से बात की है। सरफराज भारतीय टीम का हिस्सा है जबकि मुशीर भी इसके लिए दरवाजा खटखटा रहे हैं। मार्च में धर्मशाला टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाने वाले सरफराज ने कहा कि हां, मैंने उससे बात की। वह ठीक हैं लेकिन पूरी तरह से उबरने में दो-तीन महीने लगेंगे। सरफराज मुंबई के लिए ईरानी कप दोहरा शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी है।

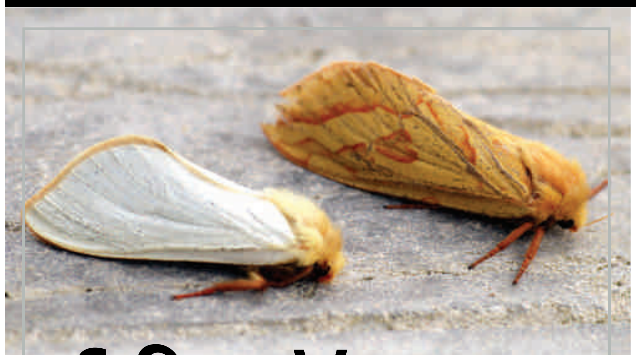

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

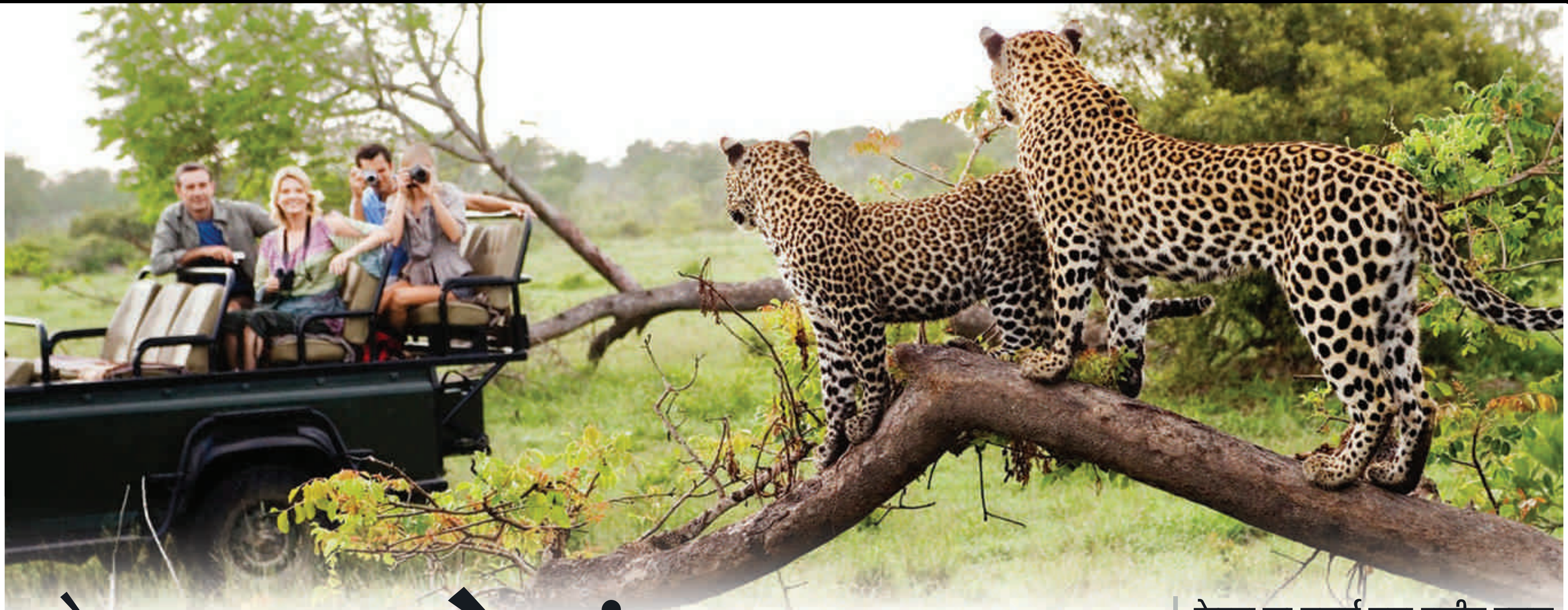

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। ट्ठकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-

तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या ट्विस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं।

हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यत: किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं।

है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रूडो ने कनाडा के हिंदुओं को दी नवरात्रि की बधाई, बोले ये हमारा भी त्यौहार

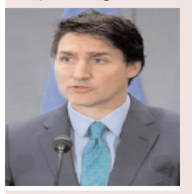

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने गुरुवार को नवरात्रि के पहले दिन कनाडा के हिंदुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक बयान में कहा, आज रात, कनाडा और दुनिया भर में हिंदू समुदाय नवरात्रि के त्यौहार की शुरुआत का जश्न मनाएंगे। यह बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की जीत का जश्न है। साथ ही कहा कि जो लोग नवरात्रि मना रहे हैं, उनके लिए अगली नौ रातें परिवार और दोस्त प्रार्थना, संगीत और प्रियजनों के साथ समय बिताने की होगी। कनाडाई हिंदू लोगों को कनाडा का अभिन्न अंग बताते हुए, ट्रूडो ने कहा: नवरात्रि की तरह उनके त्योहार और उत्सव भी हमारे त्योहार हैं। कनाडाई हिंदू जिस खुशी, उत्सव और विविधता का उदाहरण देते हैं, वह हमें एक देश के रूप में मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा, कनाडा सरकार की ओर से, मैं नवरात्रि मनाने वाले सभी लोगों को खुशी और समृद्धि की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। कनाडा में हिंदू धर्म तीसरा सबसे बड़ा धर्म है। 2021 की जनगणना के अनुसार देश की कुल आबादी का लगभग 2.3 प्रतिशत हिंदू है। कनाडा उन देशों में से एक है जहां प्रवासी भारतीय की संख्या अच्छी खासी है। जो वहां की कुल आबादी का लगभग 4 फीसदी हिस्सा है।

बांग्लादेश में अब दुर्गा पूजा पर लगा ग्रहण, धमकियों के बाद रद्द किए जा रहे आयोजन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद वहां रहने वाले हिंदुओं को काफी उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। दुर्गा पूजा के दौरान भी यह थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसकी गूंज अमेरिका तक में सुनाई देने लगी है। हालांकि, बांग्लादेश की सरकार ने दुर्गा पूजा से पहले अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने का फैसला किया है। लेकिन इस बात पर अभी भी संदेह है कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद बंगाली भाषी हिंदू समुदाय इस साल अपना सबसे बड़ा त्योहार मना पाएगा या नहीं। हिंदू समुदाय के नेताओं ने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। कुछ बंगाली हिंदू इस साल नवरात्रि उत्सव रद्द करने पर विचार कर रहे हैं। दुर्गा पूजा के खिलाफ सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी डाले जा रहे हैं। हालांकि उन वीडियो की अभी तक पुष्टि नहीं की जा सकी है। खुलना के डाकोप में कई मंदिरों को कथित तौर पर गुमनाम पत्र मिले, जिसमें धमकी दी गई है। उन्हें कहा गया है कि जब तक प्रत्येक मंदिरों से 5 लाख टका रंगदारी के तौर पर नहीं मिल जाते हैं, तब तक उन्हें दुर्गा पूजा मनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बांग्लादेशी अखबार डेली स्टार ने डाकोप के कमरखोला सर्वजनिन दुर्गा पूजा उत्सव समिति के अध्यक्ष शेखर चंद्र गोल्डर के हवाले से कहा, हमारे सदस्य अब इसमें रुचि नहीं रखते हैं। इस साल हमें पूजा रोकनी होगी। विभिन्न पूजा उत्सव समितियों के नेताओं को दिए गए पत्रों में यह भी कहा गया है कि अनुपालन न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। शुक्रवार को चार मंदिरों के प्रतिनिधियों ने डाकोप पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज कराया। डेली स्टार ने प्रभारी अधिकारी सिराजुल इस्लाम के हवाले से कहा, हम मामले की जांच कर रहे हैं। हम सेना की टीम के साथ नियमित रूप से गश्त कर रहे हैं।

हैती में गिरोह के हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत, 50 लोग घायल : अधिकारी

पोंट सोनडे, एजेंसी। हारेस और अन्य लोगों ने निकट के तटीय शहर सेंट-मार्क की पुलिस की आलोचना की और कहा कि उसने पोंट-सोनडे में हमले के दौरान लोगों की मदद करने के वास्ते कोई कदम नहीं उठाया। अफ्रीकी देश हैती के पोंट सोनडे शहर में एक गिरोह के लोगों ने बृहस्पतिवार को तड़के हमला किया जिसमें बच्चों सहित 20 से अधिक लोग मारे गए और 50 लोग घायल हो गए। एक मानवाधिकार संगठन ने यह जानकारी दी। वार्ता, सुलह एवं जागरुकता आयोग की प्रवक्ता बेर्टाइड हारेस ने बताया कि ग्रान ग्रिफ गिरोह के लोगों ने पोंट-सोनडे शहर में हमला किया और घरों और कारों को आग लगा दी जिसमें कम से कम 20 लोग मारे गए और 50 लोग घायल हो गए। उन्होंने 'रेडियो किस्केया' से कहा, '' बहुत से लोग इलाका छोड़कर भाग गए।'' सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में लोगों का एक समूह झाड़ियों के बीच से भागता हुआ दिखाई दे रहा है, जिसमें एक महिला की सांस फूल रही थी और वह कह रही है, '' कहां जाए''। एक अन्य वीडियो में गिरोह के लोगों के आने की बात सुनकर बड़ी संख्या में लोग सड़क पर भागते दिखाई दे रहे हैं। हारेस और अन्य लोगों ने निकट के तटीय शहर सेंट-मार्क की पुलिस की आलोचना की और कहा कि उसने पोंट-सोनडे में हमले के दौरान लोगों की मदद करने के वास्ते कोई कदम नहीं उठाया। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरोह में लगभग 100 सदस्य हैं और उन पर हत्या, बलात्कार, डकैती और अपहरण जैसे अपराधों का आरोप हैं।

इजरायल ने नसरुल्लाह के उत्तराधिकारी सफीद्दीन को बनाया निशाना

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच लगातार युद्ध जारी है. इजरायली सेना आईडीएफ हिजबुल्लाह के आतंकियों को चुन-चुनकर निशाना बना रहा है. कुछ दिनों पहले इजरायल ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरुल्लाह को मार गिराया. वहीं, अब जानकारी मिली है कि नसरुल्लाह के उत्तराधिकारी माने जाने वाले सफीद्दीन को भी मार गिराया गया है. इजरायली मीडिया ने इस बात की जानकारी दी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. जानकारी के मुताबिक संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2017 में सफीद्दीन को आतंकवादी घोषित किया था. अमेरिका ने कहा कि यह हिजबुल्लाह के राजनीतिक मामलों में इसकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है. बता दें, सफीद्दीन की गिनती टॉप तीन नेताओं में होती थी. ऐसा पता चला है कि हाशिम सफीद्दीन लगातार हमलों से बचने के लिए भागा-भागा घूम रहा है. हाशिम सफीद्दीन खुद को पैगंबर मोहम्मद का वंशज बताता है. अमेरिका ने इसे आतंकवादी घोषित इसलिए किया क्योंकि इसने इजरायल के खिलाफ बड़ी जंग शुरू की थी, जब हिजबुल्लाह के एक सीनियर कमांडर को मौत के घाट उतार दिया गया था. सफीद्दीन को हमेशा से ही नसरुल्लाह का उत्तराधिकारी माना गया. सफीद्दीन हिजबुल्लाह की सबसे बड़ी संस्था शूरा परिषद के छह मौलवियों में से एक है.

इजरायल ने अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं कि किसी भी कीमत पर हिजबुल्लाह के आतंकी बचेंगे नहीं. वह इस युद्ध को अंजाम देकर ही मानेगा. अलजजीरा के मुताबिक इजराइली सेना ने जमीन के नीचे बने बंकर पर 11 मिसाइलें दागीं। यहां पर हिजबुल्लाह के टॉप अधिकारी बैठक कर रहे थे। इसमें सैफिद्दीन के भी शामिल होने वाला था। सैफिद्दीन वहां पहुंचा था या नहीं, इसकी जानकारी नहीं मिली है। इस हमले में कितने लोग मारे गए हैं, यह भी पता नहीं चला है। इजराइल डिफेंस फोर्स या फिर हिजबुल्लाह ने सैफिद्दीन के मारे जाने को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। सैफिद्दीन 1982 से ही हिजबुल्लाह से जुड़ा हुआ था। पिछले सप्ताह नसरल्लाह के मारे जाने के बाद उसके हिजबुल्लाह चीफ बनाए जाने की चर्चा थी। वह रिश्ते में नसरल्लाह का ममेरा भाई है। सैफिद्दीन, हसन नसरल्लाह की तरह ही काली पगड़ी बांधता है। अमेरिका ने उसे 2017 में आतंकवादी घोषित किया था। वह हिजबुल्लाह के राजनीतिक मामलों को देखता है। इसके अलावा वह जिहाद काउंसिल का चेयरमैन भी है, जो संगठन के मिलिट्री ऑपरेशंस की प्लानिंग करती है। हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 24 घंटे में 230 मिसाइल हमले किएआईडीएफ ने कहा कि हिजबुल्लाह ने गुरुवार को इजराइल पर करीब 230 मिसाइल हमले किए। इसमें इजराइल को कोई नुकसान नहीं हुआ है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक हिजबुल्लाह ने पिछले 1 घंटे में 20 से ज्यादा मिसाइल दागी हैं। वेस्ट बैंक पर इजराइल का हमला, 18 की मौत इजराइल ने वेस्ट बैंक के तुल्कर्म शहर में शरणार्थी शिविर पर हवाई हमले किए। इसमें 18 लोगों की मौत हो गई, वहीं कई घायल हुए हैं। न्यूज एजेंसी एएफपीके मुताबिक ये हमले एफ-16 फाइटर जेट से किए गए। लेबनान में 28 हेल्थ वर्कर्स की मौत विश्व स्वास्थ्य संगठन मुताबिक लेबनान में गुरुवार को 28 हेल्थ वर्कर्स मारे गए हैं। डब्ल्यूएचओ डायरेक्टर जनरल टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा कि साउथ लेबनान में हेल्थ केयर पर अटैक हो रहे हैं। अब तक 37 हेल्थ फैसिलिटीज बंद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बेरूत एयरपोर्ट बंद हो जाने से मेडिकल सप्लाई पर भी असर पड़ा है। घेब्रेयसस ने कहा कि अभी कई हॉस्पिटल काम कर रहे हैं लेकिन लगातार हमले होने की वजह से वे बंद हो सकते हैं। लेबनान के हेल्थ मिनिस्टर ने कहा कि पिछले 3 दिनों में 40 एम्बुलेंस और फायरफाइटर्स मारे गए हैं। गाजा में इजराइली हमले में एक दिन में 99 लोगों की मौत गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक इजराइली हमले में गुरुवार को 99 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 169 लोग घायल हुए। गाजा में 7 अक्टूबर से अब तक कुल मरने वालों की संख्या 41,788 हो गई है।

वह अमेरिका का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं, पूर्व रिपब्लिकन सांसद ने की ट्रंप की आलोचना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अगले महीने राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही उम्मीदवार जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस बीच रिपब्लिकन की पूर्व सांसद लिज चेनी ने ट्रंप को उपयुक्त नहीं बताया। दरअसल, लिज चेनी और कमला हैरिस एकसाथ प्रचार करते हुए मतदाताओं से देश को पार्टी से ऊपर रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। बता दें कि चेनी के पिता डिक चेनी पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल के दौरान उपराष्ट्रपति थे। इराक युद्ध के बचाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी आज भी उनकी निनंदा करती है। दोनों को प्रमुख रिपब्लिकन माना जाता है। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया था। दोनों ने ट्रंप की तीखी आलोचना की।

हैरिस को मिला चेनी का समर्थन : प्रचार के दौरान लिज चेनी ने मजाक में कहा, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा स्प्रे टैनिंग करने से पहले भी मैं एक रिपब्लिकन थी। उन्होंने आगे कहा, मैं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को अपना वोट दे रही हूं। उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस रिपब्लिकन और मध्यमार्गी मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही हैं, ऐसे में लिज चेनी का यह बयान उनके लिए मददगार साबित हो सकता है। चुनाव जीतने के लिए हैरिस को रिपब्लिकन और निर्दलीय लोगों पर जीत हासिल करने की जरूरत है। चेनी प्रतिनिधि समिति की शीर्ष रिपब्लिकन थीं, जिन्होंने छह जनवरी को हुए दंगे की जांच की थी। इसके कारण ट्रंप को नाराजगी का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, हमारा रिपब्लिक चेहरा एक ऐसे खतरे का सामना कर रहा है।

इजराइल-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

बेरूत, एजेंसी। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक कच्चे तेल के बाजार पर गंभीर असर डाला है। पिछले कुछ दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में 5त्न की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसका एक प्रमुख कारण अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का बयान है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका और इसराइल ईरान के तेल ठिकानों पर संभावित हमले पर चर्चा कर रहे थे। जब राष्ट्रपति बाइडन से पूछा गया कि क्या वे इजराइल को इस हमले से रोकने का सुझाव दे रहे हैं, तो उन्होंने इस विषय पर सार्वजनिक चर्चा से बचते हुए कहा, मुझे पता है कि इस पर सार्वजनिक तौर पर चर्चा नहीं करनी है। इससे स्पष्ट है कि मामला बेहद संवेदनशील है और इसे खुलकर उजागर करना राजनीतिक और रणनीतिक रूप से खतरनाक हो सकता है। तेल की कीमतों में उछाल से पहले ही कई देशों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ रहा था, और इस ताजा तनाव ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बाइडन ने यह भी उल्लेख किया कि प्राकृतिक आपदाएं, जैसे कि हरिकेन, भी कीमतों में उछाल का कारण बन सकती हैं। वर्तमान में अमेरिका के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में हरिकेन हेलेन ने तबाही मचा दी है, जिसमें 200 से अधिक लोगों की जान चली गई है। यह आपदा वैश्विक तेल बाजार में अनिश्चितता को और बढ़ा सकती है, खासकर ऐसे समय में जब पहले से ही राजनीतिक संघर्ष की वजह से तेल की आपूर्ति पर सवाल उठ रहे हैं।

अमेरिका के आसमान में दिखा विशालकाय पोस्टर, बांग्लादेश के हिंदुओं पर हमले को लेकर विरोध

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क के आसमानों में गुरुवार को एक अजीबों-गरीब नजारा देखने को मिला। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा की खबरों के बीच लोगों ने विरोध के लिए एक अनोखी तरकीब निकाली। अमेरिका के हिंदुओं के समूहों ने न्यूयॉर्क में एक विशालकाय एयरलाइन बैनर फहराया। इस बैनर में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए वैश्विक समुदाय से जल्द से जल्द कार्रवाई करने की अपील की गई थी। यह बैनर हडसन नदी के ऊपर फहराया गया और इसने स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के चारों ओर चक्कर भी लगाया। गौरतलब है कि 2022 में अमेरिकी कांग्रेस के रिजॉल्यूशन के मुताबिक बांग्लादेश में 1971 के नरसंहार के दौरान 2.8 मिलियन लोगों की मौत हुई थी और कम से कम 2 लाख हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ था। तब से बांग्लादेश की हिंदू आबादी 1971 में 20 प्रतिशत से घटकर आज केवल 8.9 प्रतिशत रह गई है। हिंसा, लिंचिंग, नाबालिग लड़कियों के अपहरण, और जबरन नौकरी से इस्तीफा देने की हालिया घटनाओं के बीच लगभग 2 लाख से अधिक हिंदू प्रभावित हुए हैं। साथ ही उनकी संपत्ति भी जब्त की गई है। यह देश में रहने वाले 13 से 15 मिलियन हिंदुओं के लिए एक गंभीर खतरा है। 5 अगस्त 2024 से हिंदुओं पर लगभग 250 हमले और 1,000 से अधिक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। बांग्लादेश हिंदू समुदाय के सीतांगशु गुहा और बैनर के इस कार्यक्रम आयोजकों में से एक ने इस खतरे के बारे में बात करते हुए कहा, बांग्लादेश

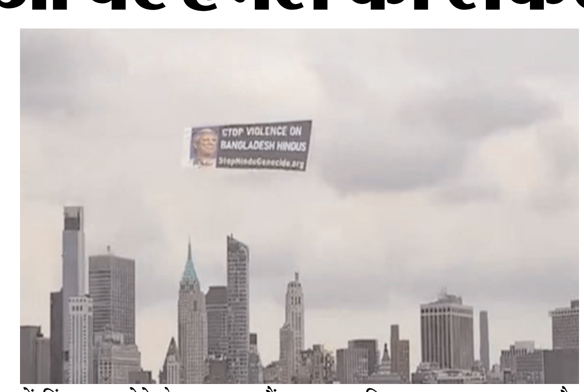

में हिंदू खत्म होने के कगार पर हैं। उम्मीद है कि इससे दुनिया में जागरूकता बढ़ेगी और संयुक्त राष्ट्र बांग्लादेश में उग्रवादी इस्लामी ताकतों के पीड़ितों को बचाने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रेरित होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर बांग्लादेश हिंदू मुक्त हो जाता है तो यह अफ़गानिस्तान 2.0 बन जाएगा और आतंकवादी पड़ोसी भारत और पश्चिम सहित दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल जाएंगे। यह समस्या सबके लिए है। अमेरिका के न्यू जर्सी में श्री गीता संघ के संस्थापक सुरजीत चौधरी ने बांग्लादेश सरकार से हिंदू समुदाय के खिलाफ सभी हिंसा को रोकने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से राजनीतिक मतभेदों को दूर करने का आग्रह किया। मानवीय संस्थाएं बांग्लादेश में बिगड़ती स्थितियों पर बारीकी से नज़र रख रही हैं। उन्हें डर है कि बढ़ती हिंसा बड़े पैमाने पर नरसंहार का कारण बन सकती है। जब तक कि हिंसा बंद नहीं हो जाती और अपराधियों को सजा नहीं मिलती अमेरिकियों से बांग्लादेशी कपड़ो का बहिष्कार करने की भी अपील की जा रही है जो देश की निर्यात आय का 85 प्रतिशत हिस्सा है। बांग्लादेशी कपड़ो के प्रमुख खरीदारों में शामिल वॉलमार्ट, एचएंडएम, गैप इंक., टारगेट, पीवीएच कॉर्प और वीएफ कॉरपोरेशन के अधिकारियों से बांग्लादेश से शिपमेंट रोकने की अपील की गई है।

चुनाव से पहले ट्रंप के खिलाफ पत्नी मेलानिया ने ही खोला मोर्चा, गर्भपात के अधिकारों को दिया समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने अपने पति और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विपरीत जाकर गर्भपात के कानूनों को अपना समर्थन दिया है। मेलानिया ट्रंप ने कहा कि, उनका मानना है कि जब किसी महिला की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बात आती है तो समझौते की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। अमेरिका में अगले महीने चुनाव होने हैं, ऐसे में मेलानिया का ये बयान काफी अहम माना जा रहा है।

गर्भपात के अधिकारों का समर्थन : सीएनएन की खबर के मुताबिक, मेलानिया ट्रंप ने गुरुवार को पोस्ट किए गए एक नए वीडियो में कहा कि, उनका मानना है कि जब किसी महिला की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बात आती है, तो समझौते की कोई गुंजाइश नहीं होती है। मेलानिया ने कहा है कि वह सरकार के किसी भी हस्तक्षेप या दबाव के बिना गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करती हैं। मेलानिया ट्रंप ने ने हाल ही में एक किताब प्रकाशित हुई है। जिसमें मेलानिया ने इस मद्दे पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने किताब में लिखा कि, महिला के

अलावा किसी और को यह तय करने का अधिकार क्यों होना चाहिए कि वह अपने शरीर के साथ क्या करती है? व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार एक महिला को उसके अपने जीवन के लिए और उसे अपनी गर्भावस्था को समाप्त करने का अधिकार देता है। यह किताब 8 अक्टूबर को पब्लिश होने वाली है।

किताब में कई खुलासे : यह किताब ऐसे समय में पब्लिश हो रही है, जब चुनावों में एक महीने से भी कम का समय बचा है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, मेलानिया ने कहा कि, किसी महिला के अवांछित गर्भ को समाप्त करने या न करने के अधिकार को प्रतिबंधित करना, उसके अपने शरीर पर नियंत्रण को लेने के जैसा है। मेलानिया ने आगे कहा कि, यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि महिलाओं को सरकार के किसी भी हस्तक्षेप या दबाव से मुक्त होकर बच्चे पैदा करने की अपनी पसंद का निर्णय लेने की आजादी होनी चाहिए। मेलानिया ने अपने पति डोनाल्ड ट्रंप की आव्रजन नीतियों पर भी असहमति जताई है। गर्भपात के अधिकारों के खिलाफ हैं ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति ने कहा था कि अगर वह फिर से चुने जाते हैं तो वे संघीय गर्भपात प्रतिबंध को वीटो कर देंगे। इस पर कानून बनाने का अधिकार राज्यों को दे देंगे। प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान ट्रंप ने कहा था कि डेमोक्रेटिक पार्टी प्रेग्नेंसी के 9वें महीने में अबॉर्शन का अधिकार देना चाहती है। इस पर कमला हैरिस ने कहा कि ट्रंप नहीं बता सकते कि महिलाओं को अपने शरीर के साथ क्या करना चाहिए। बता दें कि, दो साल पहले तक अमेरिका में अबॉर्शन को लेकर एक जैसे कानून थे। यहां अबॉर्शन का अधिकार दिया गया था।

उ. कोरिया के नेता किम ने दक्षिण कोरिया को दी परमाणु हमले की धमकी

प्योंगयाग, एजेंसी। किम ने कहा, ''अगर ऐसी स्थिति आती है तो दक्षिण कोरिया का अस्तित्व मिट जाएगा।'' किम का यह बयान दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के मंगलवार को अपने देश के सशस्त्र सेना दिवस पर दिए गए भाषण का जवाब था। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने धमकी दी है कि अगर उत्तर कोरिया को उकसाया गया तो वह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर दक्षिण कोरिया का समूल नाश कर देगा। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दरअसल दक्षिण कोरिया के नेता ने चेतावनी दी थी कि अगर किम ने परमाणु हथियारों का उपयोग करने का प्रयास किया तो उनके शासन का खात्मा कर दिया जाएगा और इसके जवाब में किम ने दक्षिण कोरिया को यह चेतावनी दी है। दोनों देशों के नेताओं के बीच इस तरह ही बयानबाजी नयी नहीं है लेकिन उनकी ये हालिया टिप्पणी उत्तर कोरिया द्वारा हाल में परमाणु केंद्र के खुलासे और मिसाइल परीक्षणों को जारी रखने के कारण बढ़े तनाव के बीच आई है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार समिति 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के अनुसार, किम ने बुधवार को विशेष अभियान बल की एक इकाई के दौरे के वक्त कहा कि अगर दक्षिण कोरिया उसकी संप्रभुता का अतिक्रमण करने के लिए सशस्त्र बलों का उपयोग करने का प्रयास करता है तो उनकी सेना

''बिना किसी हिचकिचाहट के अपने पास मौजूद परमाणु हथियार सहित सभी आक्रामक हथियारों का इस्तेमाल करेगी।'' किम ने कहा, ''अगर ऐसी स्थिति आती है तो दक्षिण कोरिया का अस्तित्व मिट जाएगा।'' किम का यह बयान दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के मंगलवार को अपने देश के सशस्त्र सेना दिवस पर दिए गए भाषण का जवाब था। उत्तर कोरिया को निशाना बनाने में सक्षम दक्षिण कोरिया की सबसे शक्तिशाली ह्यूनमू-5 बैलेस्टिक मिसाइल और अन्य पारंपरिक हथियारों का अनावरण करते हुए यून ने कहा कि जिस दिन उनका पड़ोसी देश परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करेगा, उस दिन किम सरकार का अंत हो जाएगा क्योंकि किम को दक्षिण कोरियाई-अमेरिकी गठबंधन के ''दृढ़ और भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा।

पोलैंड ने कड़े किए शराब बिक्री के नियम, लगाई पाबंदियां?

वारसॉ, एजेंसी। मध्य यूरोप का एक देश पोलैंड की सरकार ने हाल ही में शराब की बिक्री पर कड़े नियम लागू करने की घोषणा की है। इसका मकसद कम उम्र के बच्चों को शराब से बचाना और रात में पेट्रोल पंपों पर शराब की बिक्री को नियंत्रित करना है। यह कदम देश में शराब के नशे में ड्राइविंग से होने वाली दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए उठाया गया है। वर्तमान में, पोलैंड में 18 वर्ष से कम आयु के लोगों को शराब बेचना गैरकानूनी है, जिसके लिए जुर्माना या एक महीने तक की हिरासत की सजा हो सकती है। हालांकि, विक्रेताओं को खरीदारों की उम्र सत्यापित करने की आवश्यकता नहीं होती है।

शराब की बिक्री पर नए नियम : आयु सत्यापन अनिवार्यः वर्तमान में, पोलैंड में 18 साल से कम उम्र के लोगों को शराब बेचना अवैध है। नए नियमों के तहत विक्रेताओं को खरीदारों की उम्र की जांच करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई नाबालिग शराब न खरीद सके। अगर कोई विक्रेता नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसे जुर्माने या एक महीने तक की जेल हो सकती है। पेट्रोल पंपों पर रात में बिक्री पर प्रतिबंधः रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पेट्रोल पंपों पर शराब की बिक्री प्रतिबंधित कर दी गई है। इस नियम का उद्देश्य 24 घंटे शराब की उपलब्धता को सीमित करना है, जिससे युवाओं तक इसकी पहुंच कम हो सके।

बच्चों के लिए हानिकारक उत्पादों पर कार्रवाई : हाल ही में बच्चों के स्नैक्स जैसी दिखने वाली शराब से भरी थैलियों पर भी बहस हुई थी। इन थैलियों को लेकर चिंताएं बढ़ीं, जिसके बाद उत्पाद के निर्माता ने माफी मांगी और इन्हें बाजार से हटाने पर सहमति दी। पोलैंड के स्वास्थ्य मंत्री इज़ाबेला लेस्ज़्चिन ने पुष्टि की कि

इस मामले को तुरंत हल करने के लिए नए नियमों पर तेजी से काम किया जा रहा है।

हर साल शराब से पोलैंड राजस्व में होता है इजाफा : पोलैंड वोदका और बीयर उत्पादन के लिए जाना जाता है और हर साल शराब टैक्स से लगभग 13 बिलियन ज़्लोटी (स्ठ 3.3 बिलियन) का राजस्व कमाता है। हालांकि, यह आर्थिक रूप से फायदेमंद है, विशेषज्ञों का मानना है कि शराब से संबंधित समयपूर्व मौतों, अनुपस्थिति, और दुर्घटनाओं के कारण होने वाले नुकसान इस राजस्व से कहीं अधिक हैं। पोलैंड की आबादी लगभग 38 मिलियन है, और औसत वार्षिक शराब खपत प्रति व्यक्ति लगभग 9.5 लीटर (20 पिन्ट) है, जो यूरोप में सबसे अधिक है। इस उच्च खपत को देखते हुए सरकार का यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। पोलैंड सरकार द्वारा उठाए गए ये नए कदम युवाओं की सुरक्षा और शराब के दुरुपयोग को नियंत्रित करने के लिए बेहद आवश्यक हैं। सरकार इन नियमों के जरिए शराब से होने वाली दुर्घटनाओं और अन्य नकारात्मक प्रभावों को कम करने की कोशिश कर रही है। जैसे-जैसे नए नियम लागू होते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह संतुलन कैसे स्थापित किया जाता है, जहां एक तरफ आर्थिक हित हैं और दूसरी ओर जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में
&
भ्रष्टाचार की जानकारी देने

**National Rights Group
Youtube Channel**

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

BRTS कॉरिडोर की रेलिंग कूदकर सड़क पार करने की कोशिश, बस की चपेट में आने पर गंभीर रूप से घायल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके के बमरौली रोड पर कैलास चौराहे के पास शनिवार रात को एक युवक बीआरटीएस कॉरिडोर की रेलिंग कूदकर सड़क पार करने की कोशिश कर रहा था, तभी एक तेज रफ्तार बीआरटीएस बस की चपेट में आ गया। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

दुर्घटना के बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और बस के शीशे तोड़कर हंगामा करने लगे। मामले की जानकारी मिलने पर पांडेसरा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित कर स्थिति को शांत किया।

करीब ४० वर्षीय यह अज्ञात युवक बीआरटीएस की रेलिंग को कूदकर सड़क पार करने का प्रयास कर रहा था, तभी तेज गति से आ रही बस से उसकी टक्कर हो गई। गंभीर हालत में युवक को एंबुलेंस के जरिए तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरूकर दी है।

हीरा कंपनी में वेतन में १५% की कटौती किए जाने के बाद करीब ८०० कर्मचारी हड़ताल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कतारगाम इलाके की एक हीरा कंपनी में वेतन में १५त्न की कटौती किए जाने के बाद करीब ८०० कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। वेतन कटौती के कारण नाराज कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया और कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन किया।

हीरा उद्योग में यह घटना कर्मचारियों के आर्थिक दबाव और वेतन कटौती के विरोध के रूप में सामने आई है। इस मामले में कर्मचारी प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। हड़ताल के कारण कंपनी का उत्पादन प्रभावित हुआ है, और स्थिति को हल करने के लिए प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच बातचीत चल रही है।

"नो ड्रग्स इन सूरत सिटी" अभियान के तहत खटोदरा पुलिस द्वारा कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में ड्रग्स की गतिविधियों को समाप्त करने के लिए "नो ड्रग्स इन सूरत सिटी" अभियान के तहत खटोदरा पुलिस द्वारा महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई है। ३.११ ग्राम रूष्ठ ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, और कुल १५.१७ लाख रुपये का सामान जब्त किया गया है। आरोपियों में से एक ड्रग्स का नियमित ग्राहक है, जबकि दूसरा सप्लायर है। चौंकाने वाली बात यह है कि ड्रग्स एडिक्ट, जिसका नाम विशाल प्रकाशचंद्र शाह है, ने अपने सप्लायर पर शक होने के कारण अपना इलेक्ट्रॉनिक वजन कांटा साथ रखना शुरू कर दिया था।

पुलिस ने ३१,१०० रुपये मूल्य के MD ड्रग्स, २.१६ लाख रुपये नकद, एक फोर व्हील कार और अन्य सामान जब्त किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विशाल प्रकाशचंद्र शाह, जो रांदेर का निवासी और गैस एजेंसी का मालिक है, और मोहम्मद फारूक इब्राहीम फ्रूटवाला शामिल हैं, जो ड्रग्स सप्लाई करता है। फारूक ने प्राथमिक पूछताछ में बताया कि वह मुंबई से नाइजीरियाई सप्लायरों से ड्रग्स लाता था।

सूरत में स्थित महाकाली माता का ३१० साल पुराना मंदिर श्रद्धा माता की १८ भुजाओं वाली मूर्ति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कोट क्षेत्र में स्थित महाकाली माता का ३१० साल पुराना मंदिर श्रद्धा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, खासकर नवरात्रि के त्योहार के दौरान। मंदिर की खास यह है कि यहां माता की १८ भुजाओं वाली मूर्ति है, जिसका पूरा स्वरूप साल में केवल चार दिनों के लिए दर्शन के लिए खोला जाता है। ये दिन चैत्र नवरात्रि की अष्टमी, आश्विन नवरात्रि की अष्टमी, महा सुद छठ और हिंदू नववर्ष के दिन होते हैं। मंदिर की स्थापना विक्रम संवत १७७१ में हुई थी, और आज भी इस मंदिर की सेवा पुजारियों की सातवीं पीढ़ी द्वारा की जा रही है। माता का स्वरूप बहुत ही रौद्र है और १८ भुजाओं वाली ऐसी प्रतिमा किसी अन्य मंदिर में देखने को नहीं मिलती। सामान्य दिनों में माता की केवल दो भुजाओं के दर्शन होते हैं। मंगलवार को भक्त माता को नींबू की माला अर्पित करते हैं, जो उनकी श्रद्धा और आस्था के अनुसार मान्यता को पूर्ण करती है। इस मंदिर के साथ-साथ गौतम गोत्र की शकरांबिका माता की प्रतिमा भी यहां स्थापित है, और नवरात्रि के दौरान इस गोत्र के लोग बड़ी संख्या में माता की उपासना के लिए आते हैं।

सूडा आवास में फ्लैट दिलाने के बहाने तीन ठगों ने ३ लाख रुपये की ठगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के मगदल्ला रोड पर रहने वाली एक महिला को सूडा आवास में फ्लैट दिलाने के बहाने तीन ठगों ने ३ लाख रुपये की ठगी की है। डुमस रोड पर मगदल्ला सुमन सरिता आवास में रहने वाली बीनाबेन उमरीगर ने जनवरी २०२२ में नया मकान खरीदने के लिए वेसु सूडा ऑफिस का दौरा किया था। इस दौरान उनके पति की मुलाकात संदीप मैसुरिया से हुई, जिसने कुछ दिनों बाद महिला और उनके पति को वेसु सूडा भवन के पास बुलाकर विक्रम दवे से मिलवाया।

विक्रम दवे ने यह दावा किया कि उसकी सूडा में बड़ी पहचान है और वह वहां फ्लैट और मकान दिलाने का काम करता है। उसने जल्द ही फ्लैट मिलने का आश्वासन दिया। इसके बाद संदीप और उसके पिता ने महिला को फ्लैट दिखाया और उसकी जिम्मेदारी लेने का दावा किया। महिला और उसके पति ने उन पर विश्वास कर ८ जनवरी से १३ जनवरी २०२२ के बीच ३ लाख रुपये अलग-अलग किश्तों में दे दिए। लेकिन फ्लैट नहीं मिलने पर महिला को उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत करनी पड़ी।

इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने संदीप ईश्वर मैसुरिया, उसके पिता ईश्वर मैसुरिया (दोनों निवासी, गीतांजलि महोल्ला, आभवागाम) और विक्रम जशवंत दवे (निवासी, वेसु) के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

SMC के कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मनपा कार्यालय में विरोध प्रदर्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका के कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मनपा कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। वर्ग १, वर्ग २ और वर्ग ३ के कर्मचारियों ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उनकी प्रमुख मांगों में प्रशासनिक विभाग में ९०० से अधिक खाली पड़े सेक्शन ऑफिसर के पदों को भरने और १०, २० और ३० वर्षों के उच्चतम वेतनमान के अधिकार की मांग शामिल थी।

वर्ग ४ के ग्रेजुएट कर्मचारियों को वर्ग ३ में भर्ती करने की प्रक्रिया भी पिछले नौ महीनों से रुकी हुई है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। ग्रेजुएट कर्मचारी जो वर्ग ४ में हैं, उन्हें वर्ग ३ में क्लर्क के रूप में भर्ती करने की प्रक्रिया में देरी का विरोध करते हुए, ये कर्मचारी बैनर लेकर मनपा कार्यालय में पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने गरबा खेलकर अपनी नाराजगी व्यक्त की और चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो वे दशहरे के दिन पुतला दहन करेंगे।

बैंक खाता फ्रीज कराने वाली महिला समेत चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वराछा लांबे हनुमान रोड पर रहने वाले, मूल रूप से भावनगर के रत्नकलाकार ने शेयर ट्रेडिंग अकाउंट में २५,००० रुपये का नुकसान होने के बाद वह रकम वापस मांगी। चार व्यक्तियों ने मिलकर रत्नकलाकार का बैंक खाता साइबर क्राइम में शिकायत कर फ्रीज करवा दिया और पैसे वापस करने की धमकी दी। कापोदरा पुलिस ने शेयर ब्रोकर, महिला और अन्य दो के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरूकर दी है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मूल रूप से भावनगर जिले के उमराला दडवा रांदल के निवासी और सूरत के वराछा लांबे हनुमान रोड गायत्री सोसाइटी में रहने वाले ३३ वर्षीय कैशिकभाई रमेशभाई मांगुकिया वराछा भवानी सर्कल स्थित किरण कंपनी में रत्नकलाकार के रूप में काम करते हैं। लगभग छह महीने पहले उनके साथी कर्मचारी घनश्याम जसोलिया के माध्यम से उनकी पहचान सरथाणा जकातनाका स्थित अवध बिल्डिंग में ऑफिस रखने वाले शेयर ब्रोकर कुंज पारिख से हुई थी।

कैशिकभाई ने कुंज पारिख के पास डिमैट अकाउंट खुलवाया था, लेकिन उनके पास पैसे नहीं थे,इसलिए उनका ट्रेडिंग अकाउंट डेढ़ महीने तक निष्क्रिय पड़ा रहा। कुंज पारिख ने बाद में कैशिकभाई के अकाउंट में श्रद्धा गजेड़ा के खाते से २५,००० रुपये ट्रांसफर करवाए और उनसे ट्रेडिंग करने को कहा। कैशिकभाई ट्रेडिंग में नए थे और कुंज के कहने पर किए गए ट्रेडिंग में सभी पैसे तीन दिनों में खो दिए। कुंज पारिख ने फिर से पैसे डालने को कहा,कैशिकभाई ने पैसे ना होने की बात कही।

इसके बाद कुंज पारिख और श्रद्धा गजेड़ा बार-बार फोन करके अपने पैसे वापस मांगने लगे। तीन हफ्ते बाद, जब कैशिकभाई ने अपने बैंक अकाउंट से पैसे ट्रांसफर करने की कोशिश की, तो उन्होंने पाया कि उनका अकाउंट फ्रीज हो गया था। बैंक में जांच करने पर उन्हें पता चला कि किसी विरल कामेलिया नाम के व्यक्तिने साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसके कारण उनका अकाउंट फ्रीज हो गया था।

आगे की जांच में, कैशिकभाई को पता चला कि कुंज पारिख, श्रद्धा गजेड़ा, विरल कामेलिया और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति ने मिलकर उन्हें धमकी दी कि अगर वे अपना खाता फिर से चालू कराना चाहते हैं तो पैसे देने होंगे। इसके बाद, कैशिकभाई ने कापोदरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई, और पुलिस ने मामले में चारों के खिलाफ कार्रवाई शुरूकर दी।

वापी स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ते समय गिरा युवक कटने से पहले पुलिस ने बचाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी से वडोदरा एक्सप्रेस में वापस जा रहा था, गुरुवार शाम को वापी रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान, अंकलेश्वर के इस युवक ने अपना संतुलन खो दिया और वह प्लेटफॉर्म पर गिर पड़ा। गिरने के बाद युवक कुछ समय के लिए ट्रेन के साथ-साथ प्लेटफॉर्म पर घिसटता चला गया, लेकिन ट्रेन के नीचे आने से पहले रेलवे पुलिस के एक जवान ने साहस दिखाते हुए युवक की टी-शर्ट पकड़कर उसे खींच लिया और उसकी जान बचा ली। वापी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर १ पर दहानु-वडोदरा एक्सप्रेस ट्रेन शाम ४-४५ बजे वडोदरा की ओर जा रही थी। उसी समय युवक ने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की, लेकिन उसका पैर फिसल गया और वह प्लेटफॉर्म पर गिर गया और थोड़ी देर के लिए ट्रेन के साथ घिसटता चला गया। इस घटना के दौरान, वापी रेलवे पुलिस स्टेशन के GRP की टीम प्लेटफॉर्म पर पेट्रोलिंग कर रही थी।

स्टेशन ड्यूटी पर तैनात रेलवे पुलिस के जवान योगेशकुमार जगुभाई और GRP की टीम मौके पर मौजूद थी। उन्होंने यह हादसा होते देखा और तुरंत दौड़कर युवक को खींचकर बचा लिया। युवक प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंसने वाला था, लेकिन पुलिसकर्मी योगेशकुमार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे सुरक्षित निकाल लिया।

युवक जिसका नाम अल्पेश रमणभाई चौहान (उम्र ३६) बताया गया है, मजदूरी करता है और अंबा वॉर्ड कृपानगर सोसाइटी अंकलेश्वर जिला भरूच का निवासी है। वह वापी अपने व्यक्तिगत काम के लिए आया था, और लौटते समय यह घटना घटी। पूरी घटना स्टेशन पर लगे CCTV कैमरों में कैद हो गई है।